अमृत कलश टाइम्स

http://amritkalashtimes.com

वर्ष : 18
अंक : 52

प्रयागराज शुक्रवार 08 नवम्बर 2024

पृष्ठः- 4, मूल्यः- एक रूपया

विज्ञापन के बाद भर्ती प्रक्रिया में नही किया जा सकता बदलाव: सुप्रीम कोर्ट

नई दिल्ली,(एजेंसी)। उच्चतम न्यायालय ने गुरुवार को कहा कि किसी पद के लिए विज्ञापन जारी होने के बाद भर्ती प्रक्रिया को बीच में नहीं बदला जा सकता। मुख्य न्यायाधीश डी वाई चंद्रचूड़ और न्यायमूर्ति ऋषिकेश रॉय, न्यायमूर्ति पी एस नरसिम्हा, न्यायमूर्ति पंकज मिथल और न्यायमूर्ति मनोज मिश्रा की संविधान पीठ ने श्तेज प्रकाश पाठक बनाम राजस्थान उच्च न्यायालयश मामले में यह फैसला सुनाते हुए कहा कि उम्मीदवारों को आश्चर्य चकित करने के लिए नियमों को नहीं बदला जा सकता। न्यायमूर्ति चंद्रचूड़ की अध्यक्षता वाली पांच सदस्यीय संविधान पीठ ने कहा कि भर्ती प्रक्रिया के शुरू में अधिसूचित चयन सूची में रखे जाने के लिए पात्रता मानदंड को बीच में नहीं बदला जा सकता, जब तक कि मौजूदा नियम या विज्ञापन (जो मौजूदा नियमों के विपरीत न हो) इसकी अनुमति न दे। न्यायमूर्ति मिश्रा ने पीठ की ओर से फैसला सुनाते हुए यह भी कहा कि चयन सूची में रखे जाने के बाद उक्त पद के उम्मीदवार को नियुक्ति का अविभाज्य अधिकार प्राप्त नहीं होता, लेकिन सरकार या उसके तंत्र वास्तविक कारणों से रिक्तियों को नही भरने का विकल्प चुन सकते हैं। हालांकि, यदि रिक्तियां मौजूद हैं, तो सरकार या उसके तंत्र चयन सूची में विचाराधीन क्षेत्र के किसी व्यक्ति को नियुक्ति देने से मनमाने ढंग से इनकार नहीं कर सकते।इस मामले को श्तेज प्रकाश पाठक और अन्य बनाम राजस्थान उच्च न्यायालय और अन्यश (2013) के मामले में तीन न्यायाधीशों की पीठ ने पांच न्यायाधीशों की संविधान पीठ को भेजा गया था, जिसने कि श्मंजूश्री बनाम आंध्र प्रदेश राज्य और अन्य (2008)श के मामले में पिछले फैसले पर संदेह जताया था। इस मामले कहा गया था कि चयन मानदंड को बीच में नहीं बदला जा सकता है।

वन रैंक वन पेंशन: योजना के 10 साल पूरे, पीएम मोदी कहा...

ओ.आर.ओ.पी एक महत्वपूर्ण कदम

● पूर्व सैन्यकर्मियों व सशस्त्र बलों को मजबूत करने के लिए हर संभव प्रयास

● ओ आर ओ पी योजना के क्रियान्वयन पर पीएम मोदी ने कहा- हमारे दिग्गजों के साहस और बलिदान को श्रद्धांजलि

नयी दिल्ली,(एजेंसी)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने वन रैंक वन पेंशन (ओआरओपी) योजना को राष्ट्र की सेवा में जीवन समर्पित करने वाले पूर्व सैनिकों के साहस और बलिदान के लिए श्रद्धांजलि करार देते हुए कहा कि सरकार सशस्त्र बलों को मजबूत बनाने और उनके कल्याण के लिए हर संभव प्रयास करती रहेगी। श्री मोदी ने ओ आर ओ पी लागू किये जाने के दस वर्ष पूरे होने के मौके पर गुरूवार को यह बात कही। प्रधानमंत्री ने एक सोशल मीडिया पोस्ट में कहा," यह हमारे पूर्व सैनिकों के साहस और बलिदान के लिए एक श्रद्धांजलि है, जो हमारे राष्ट्र की रक्षा के लिए अपना जीवन समर्पित करते हैं। उन्होंने कहा कि ओआरओपी को लागू करने का निर्णय लंबे समय से चली आ रही इस मांग को पूरा करने और हमारे नायकों के प्रति हमारे देश की कृतज्ञता की पुष्टि करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम था। " श्री मोदी ने देश को आश्वस्त किया कि सरकार सशस्त्र बलों को मजबूत करने और सैनिकों के कल्याण को आगे बढ़ाने के लिए हमेशा हर संभव प्रयास करेगी। एक अन्य पोस्ट में उन्होंने कहा , " आप सभी को खुशी होगी कि एक दशक में, लाखों पेंशनभोगी और पेंशनभोगी परिवार इस ऐतिहासिक पहल से लाभान्वित हुए हैं। संख्या से परे, ओआरओपी हमारे सशस्त्र बलों की भलाई के लिए सरकार की प्रतिबद्धता का प्रतिनिधित्व करता है। हम अपने सशस्त्र बलों को मजबूत करने और हमारी सेवा करने वालों के कल्याण को आगे बढ़ाने के लिए हमेशा हर संभव प्रयास करेंगे।" उल्लेखनीय है कि मोदी सरकार के शासन में ही दस वर्ष पहले सैनिकों की ओ आर ओपी की पुरानी मांग को पूरा किया गया था। सशस्त्र बलों को मजबूत करने के लिए हमेशा हर संभव प्रयास करेंगे। पीएम मोदी ने वन रैंक वन पेंशन (ओ आर ओ पी) योजना के दस वर्ष पूरे होने पर कहा कि यह हमारे दिग्गजों और पूर्व सैन्यकर्मियों के साहस और बलिदान को श्रद्धांजलि है, जिन्होंने हमारे देश की रक्षा के लिए अपना जीवन समर्पित कर दिया। उन्होंने कहा कि व्व्च को लागू करने का निर्णय इस लंबे समय से चली आ रही मांग को संबोधित करने और हमारे नायकों के प्रति हमारे देश की कृतज्ञता की पुष्टि करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। पीएम मोदी ने आश्वासन दिया कि सरकार हमारे सशस्त्र बलों को मजबूत करने और हमारी सेवा करने वालों के कल्याण को आगे बढ़ाने के लिए हमेशा हर संभव प्रयास करेगी। पीएम मोदी ने ओ आर ओ पी को बताया महत्वपूर्ण कदम पीएम ने लिखा, "इस दिन, रुवनरैंकवनपेंशन (ओ आर ओ पी) को लागू किया गया था।

वायनाड की सेवा उसी तरह करना चाहती हूं जैसे एक मां बच्चों की देखभाल करती है: प्रियंका

वायनाड,(एजेंसी)। प्रियंका ने वायनाड लोकसभा सीट के उपचुनाव के लिए अपने चुनाव प्रचार के दौरान कहा कि अगर उन्हें मौका दिया गया तो वह न केवल संसद, बल्कि हर मंच पर वायनाड के लोगों के लिए लड़ेंगी। कांग्रेस महासचिव और वायनाड लोकसभा सीट से संयुक्त लोकतांत्रिक मोर्चा (यूडीएफ) की उम्मीदवार प्रियंका गांधी वाड्रा गुरुवार को एक बार फिर वायनाड की जनता

से रूबरू हुईं। उन्होंने कहा कि वह इस क्षेत्र के लोगों की सेवा उसी तरह करना चाहती हैं, जैसे एक मां अपने बच्चों की देखभाल करती है। प्रियंका ने वायनाड लोकसभा सीट के उपचुनाव के लिए अपने चुनाव प्रचार के दौरान कहा कि अगर उन्हें मौका दिया गया तो वह न केवल संसद, बल्कि हर मंच पर वायनाड के लोगों के लिए लड़ेंगी। प्रियंका ने अपने भाई और लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी के दिल में वायनाड के प्रति लगाव होने का भी जिक्र किया और वोटरों से खुद के लिए समर्थन मांगा। प्रियंका ने कहा कि इसके जरिए वह वायनाड की जनता की सेवा कर सकती हैं। प्रियंका गांधी ने भाजपा के नेतृत्व वाले केंद्र के खिलाफ अपने आरोपों को भी दोहराया। उन्होंने कहा कि मोदी सरकार की राजनीति ने देश में किसानों और छोटे व्यापारियों को नुकसान पहुंचाया है।

आतंकवाद के खिलाफ मजबूत इकोसिस्टम: शाह

> कांग्रेस की गलत नीतियों के कारण जब भारत का विभाजन हुआ तो रियासत जम्मू या कश्मीर कहां जाएगी, इसका फैसला करने में नेहरू की शेख-परस्त नीतियों के कारण बड़ी देर हुई।
>
> **अमित शाह**

● आतंकियों की उम्र पहले से घटी, पीएम के जीरो टॉलरेंस नारे को दुनिया ने अपनाया

● आतंकवाद रोधी राष्ट्रीय योजना और रणनीति लेकर आयेगी सरकार: शाह

नयी दिल्ली,(एजेंसी)। केन्द्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने कहा है कि सरकार देश में आतंकवाद और आतंकवादी तंत्र से लड़ने के लिए एक मजबूत आतंकवाद रोधी इकोसिस्टम खड़ा करने के लिए जल्द ही आतंकवाद रोधी राष्ट्रीय योजना और रणनीति लेकर आयेगी। उन्होंने सभी राज्यों से आतंकवाद के खिलाफ लड़ाई में एकजुट होने तथा पुलिस बलों को अत्याधुनिक प्रौद्योगिकी से लैस करने तथा डाटा के जरिये आतंकवाद का मजबूती से मुकाबला करने का भी आह्वान किया। श्री शाह ने गुरुवार को यहां राष्ट्रीय जांच एजेन्सी (एनआईए) द्वारा आयोजित दो दिन के आतंकवाद रोधी सम्मेलन का उद्घाटन करते हुए कहा कि सरकार आतंकवाद से लड़ने के लिए अगले कदम के रूप में जल्द ही आतंकवाद रोधी राष्ट्रीय योजना और रणनीति लेकर आ रही है। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने गुरुवार को दो –दिवसीय आतंकवाद विरोधी सम्मेलन–2024 का इनॉगरेशन किया। इस दौरान उन्होंने कहा कि मोदी सरकार ने 10 सालों में आतंकवाद के खिलाफ कदम उठाए है। इससे आतंकवाद से लड़ने के लिए एक मजबूत इकोसिस्टम तैयार हुआ है। प्रधानमंत्री मोदी के आतंकवाद के खिलाफ जीरो टॉलरेंस नारे को केवल भारत ने ही नहीं पूरी दुनिया ने अपनाया है। अमित शाह ने आगे कहा कि ये सम्मेलन भारत के सुरक्षा ढांचे को मजबूत करने के लिए सिक्योरिटी एजेंसियों के बीच तालमेल को बढ़ाएगा। दिल्ली में चल रहे नेशनल इन्वेस्टीगेशन एजेंसी (NIA) के इस सम्मेलन में पिछले कुछ सालों से आतंकवाद के खिलाफ हुई कार्रवाई में आई समस्याओं पर चर्चा की जाएगी। इस सम्मेलन में राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों के सीनियर पुलिस अधिकारी, स्पेशल सिक्योरिटी एजेंसी, फोरेंसिक और टेक्निकल एक्सपर्ट शामिल होंगे। शहीदों के परिवारों को धन्यवाद दिया सम्मेलन में संबोधन के दौरान अमित शाह ने कहा कि भारत की आजादी के 75 साल बीत चुके हैं। अब तक देश की आंतरिक सुरक्षा और सीमाओं की सुरक्षा बनाए रखने के लिए 36,468 पुलिसकर्मियों ने शहादत दी है। उन सभी को शहीदों के परिवारों को धन्यवाद देना चाहता हूं। अमित शाह ने कहा कि आतंकवादी हमलों से सटीक तरीके निपटने के लिए युवा ऑफिसर्स को हाई लेवल तकनीकों से लैस करना होगा। इसे उनकी ट्रेनिंग में अहम हिस्सा बनाया जाएगा। राज्यों पर हुए हमलों में पुलिस की जिम्मेदारी अमित शाह ने कहा कि राज्यों पर हुए हमलों में लड़ाई पुलिस को ही करनी होगी। हालांकि सूचना देने से लेकर कार्रवाई करने तक सभी केंद्रीय एजेंसियां साथ देंगी।

दिल्ली सरकार ने नागरिकों को वित्तीय धोखाधड़ी से बचाने के लिए नए नियम पेश किए

नयी दिल्ली,(एजेंसी)। फर्जी योजनाओं के जरिये गुमराह किया जाता रहा है, जिससे उन्हें वित्तीय नुकसान उठाना पड़ता है। ये नियम हमें इन

योजनाओं की बारीकी से निगरानी करने और धोखेबाजों को जवाबदेह ठहराने में मदद करेंगे।'' दिल्ली में वित्तीय धोखाधड़ी के बढ़ते मामलों से निपटने के लिए आम आदमी पार्टी की सरकार ने बुधवार को नए नियमन पेश किए। इन नियमनों का मकसद नागरिकों को धोखाधड़ी वाली निवेश योजनाओं से बचाना है। एक आधिकारिक बयान में कहा गया कि मुख्यमंत्री आतिशी ने नियमों की घोषणा करते हुए कहा कि अधिक प्रतिफल का वादा करने वाले घोटालेबाजों के साथ किसी तरह की नरमी नहीं बरती जाएगी। मुख्यमंत्री ने कहा, ''लोगों को अधिक प्रतिफल का वादा करने वाली फर्जी योजनाओं के जरिये गुमराह किया जाता रहा है, जिससे उन्हें वित्तीय नुकसान उठाना पड़ता है। ये नियम हमें इन योजनाओं की बारीकी से निगरानी करने और धोखेबाजों को जवाबदेह ठहराने में मदद करेंगे।'' बयान के अनुसार, नए नियमन दिल्ली सरकार को धोखाधड़ी के मामलों से जुड़ी संपत्तियों को जब्त करने का अधिकार देते हैं।

अंबेडकर का कांग्रेस ने किया अपमान नफरत के पुजारियों की खत्म होनी चाहिए राजनीति: अबू आजमी

● राहुल गांधी नहीं करते संविधान का सम्मान, किरेन रिजिजू का ग्रैंड ओल्ड पार्टी पर वार

नयी दिल्ली,(एजेंसी)। रिजिजू ने कहा कि मुझे राहुल गांधी द्वारा नागपुर में श्संविधान सम्मेलनश आयोजित करने पर आपत्ति है, जबकि वह संविधान का सम्मान नहीं करते हैं।श उन्होंने कहा कि डॉ. बाबा साहेब अम्बेडकर और संविधान का अपमान करने के बाद कांग्रेस को उनके बारे में बात करने का कोई अधिकार नहीं है। केंद्रीय मंत्री किरेन रिजिजू ने गुरुवार को राहुल गांधी द्वारा नागपुर में श्संविधान सम्मेलनश आयोजित करने पर श्आपत्तिश जताई। उन्होंने आरोप लगाया कि कांग्रेस सांसद संविधान का सम्मान नहीं करते हैं। उन्होंने कहा कि मुझे राहुल गांधी द्वारा नागपुर में श्संविधान सम्मेलनश आयोजित करने पर आपत्ति है, जबकि वह संविधान का सम्मान नहीं करते हैं।श उन्होंने कहा कि डॉ. बाबा साहेब अम्बेडकर और संविधान का अपमान करने के बाद कांग्रेस को उनके बारे में बात करने का कोई अधिकार नहीं है। श्संविधान के जनकश के रूप में

जाने जाने वाले डॉ. अंबेडकर ने संविधान बनाने वाली मसौदा समिति का नेतृत्व किया। इससे पहले, बुधवार को, गांधी ने महाराष्ट्र के नागपुर शहर में चुनावी सभा में लाल कवर के साथ संविधान की एक पतली प्रति ली थी। गांधी की आलोचना करते हुए भाजपा नेता और महाराष्ट्र के उप मुख्यमंत्री देवेन्द्र फड़णवीस ने कहा, श्श्गांधी एक हाथ में संविधान रखते हैं और दूसरे हाथ से अराजकता को बढ़ावा देते हैं। वह शहरी नक्सलियों और अराजकतावादियों से प्रभावित हैं जो कांग्रेस को कट्टरपंथी एजेंडे की ओर धकेल रहे हैं। राजनीति में लाल रंग को अक्सर मार्क्सवादी या कम्युनिस्ट विचारधारा से जोड़ा जाता है। कांग्रेस के महाराष्ट्र प्रमुख नाना पटोले ने पलटवार करते हुए कहा कि भगवा पार्टी श्परेशानश थी क्योंकि गांधी ने अपना कार्यक्रम नागपुर में भाजपा के श्गढ़श के पास आयोजित किया था। भाजपा के वैचारिक गुरु आरएसएस का मुख्यालय यहीं है। इसके अलावा, भाजपा के दो प्रमुख सदस्य, स्वयं फड़नवीस और केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी, शहर से हैं।

गांधी ने पहली बार लोकसभा चुनावों के दौरान संविधान की एक पॉकेट साइज प्रति ले जाना शुरू किया, उन्होंने आरोप लगाया कि अगर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की भाजपा के नेतृत्व वाली सरकार लगातार तीसरी बार जीतती है, तो वह संविधान को श्खत्मश कर देगी।

भारतीय रेलवे ने बनाया नया रिकॉर्ड

● एक ही दिन में 3 करोड़ से ज्यादा यात्रियों ने किया ट्रेन में सफर

नयी दिल्ली,(एजेंसी)। मंत्रालय के अनुसार, 1 अक्टूबर से 5 नवंबर के बीच भारतीय रेलवे से बिहार, पूर्वी उत्तर प्रदेश और झारखंड तक लगभग 6.85 करोड़ यात्रियों ने निर्धारित ट्रेनों के माध्यम से यात्रा की। भारतीय रेलवे ने 4 नवंबर, 2024 को एक ही दिन में 3 करोड़ से अधिक यात्रियों को परिवहन करके एक ऐतिहासिक उपलब्धि हासिल की है। रेल मंत्रालय ने बयान जारी कर इस बात की जानकारी दी है। 4 नवंबर को, भारतीय रेलवे ने रिकॉर्ड 180 लाख उपनगरीय यात्रियों के साथ–साथ 19.43 लाख आरक्षित यात्रियों और 101.29 लाख अनारक्षित यात्रियों सहित 120.72 लाख गैर–उपनगरीय यात्रियों को ढोया, जिससे यह 2024 में एक दिन में सबसे अधिक यात्री संख्या बन गई। कुल यात्री यातायात इस दिन यह संख्या 3 करोड़ से अधिक हो गई, जिसने एक नया मानदंड स्थापित किया। मंत्रालय के अनुसार, 1 अक्टूबर से 5 नवंबर के बीच भारतीय रेलवे से बिहार, पूर्वी उत्तर प्रदेश और झारखंड तक लगभग 6.85

करोड़ यात्रियों ने निर्धारित ट्रेनों के माध्यम से यात्रा की। यात्रियों की यह प्रभावशाली संख्या ऑस्ट्रेलिया और न्यूजीलैंड जैसे देशों की संयुक्त आबादी से अधिक है, जो इस अवधि के दौरान यात्रा के विशाल पैमाने को उजागर करती है। मंत्रालय ने इस बात पर भी प्रकाश डाला कि यह उपलब्धि त्योहारों के चरम समय के दौरान बढ़ती मांग को पूरा करने, सभी के लिए यात्रा को आसान और अधिक सुलभ बनाने की भारतीय रेलवे की प्रतिबद्धता को दर्शाती है। त्योहारी सीजन के दौरान यात्री यातायात में भारी भीड़ को देखते हुए, भारतीय रेलवे ने 1 अक्टूबर से 5 नवंबर, 2024 के बीच 65 लाख यात्रियों को ले जाने वाली अतिरिक्त 4,521 विशेष ट्रेनें संचालित की हैं। बयान में कहा गया है कि इन अतिरिक्त सेवाओं ने मौजूदा दुर्गा पूजा, दिवाली और छठ पूजा समारोहों के दौरान सुगम यात्रा को सुविधाजनक बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। रेलवे के इन विशेष प्रयासों से यह सुनिश्चित हुआ कि लाखों यात्री अपने गंतव्य तक आराम से पहुंच सकें। यह उपलब्धि त्योहारों के चरम समय के दौरान बढ़ती मांग को पूरा करने, सभी के लिए यात्रा को आसान और अधिक सुलभ बनाने की भारतीय रेलवे की प्रतिबद्धता को दर्शाती है। 1 अक्टूबर से 30 नवंबर तक त्योहारी अवधि के दौरान बढ़ी हुई।

यात्रा मांग को पूरा करने के लिए, भारतीय रेलवे ने पहले कुल 7,724 विशेष ट्रेनों की घोषणा की थी, जो पिछले साल की 4,429 विशेष ट्रेन सेवाओं की तुलना में 73 प्रतिशत की वृद्धि है।

मुम्बई,(एजेंसी)। आपको बता दें कि महाराष्ट्र नवनिर्माण सेना (मनसे) प्रमुख राज ठाकरे ने अमरावती में एक रैली के दौरान मस्जिदों पर लाउडस्पीकर का मुद्दा फिर उठाया। महाराष्ट्र में 20 नवंबर को चुनाव होंगे और वोटों की गिनती 23 नवंबर को होगी। मस्जिदों में लाउडस्पीकर को लेकर महाराष्ट्र में सियासत तेज हो गई है। इसको लेकर महाराष्ट्र नवनिर्माण सेना (मनसे) प्रमुख राज ठाकरे का एक बयान सामने आया। अब राज ठाकरे के बयान पर पलटवार किया जा रहा है। राज ठाकरे के बयान पर समाजवादी पार्टी के विधायक अबू आजमी ने भी कड़ी प्रतिक्रिया दी है। उन्होंने कहा कि राज ठाकरे सस्ती शोहरत पाने के लिए ऐसी बातें करते हैं, लोग इतने भोले नहीं हैं कि उनकी बातों में आ जाएं। उन्होंने साफ तौर पर कहा कि इन नफरत के

पुजारियों की राजनीति खत्म हो जानी चाहिए। आपको बता दें कि महाराष्ट्र नवनिर्माण सेना (मनसे) प्रमुख राज ठाकरे ने अमरावती में एक रैली के दौरान मस्जिदों पर लाउडस्पीकर का मुद्दा फिर उठाया। महाराष्ट्र में 20 नवंबर को चुनाव होंगे और वोटों की गिनती 23 नवंबर को होगी। उन्होंने आरोप लगाया कि कुछ मुस्लिम नेता महा विकास अघाड़ी (एमवीए) के लिए वोट मांगने के लिए मस्जिदों से फतवा जारी कर रहे हैं। इसके बात उन्होंने कहा कि मुझे शक्ति दीजिए और मैं सुनिश्चित करूंगा कि महाराष्ट्र में किसी भी मस्जिद पर एक भी लाउडस्पीकर न हो। ठाकरे ने यह भी दावा किया कि उन्होंने मुख्यमंत्री के रूप में उद्धव ठाकरे के कार्यकाल के दौरान मस्जिद के लाउडस्पीकरों को जबरन हटा दिया था, जिसके कारण उनके समर्थकों के खिलाफ 17,000 मामले दर्ज किए गए थे। शरद पवार पर निशाना साधते हुए, ठाकरे ने उन्हें ओबीसी और मराठा समुदायों के बीच विवाद भड़काने का आरोप लगाते हुए श्संत शरदचंद्र पवारश कहा। ठाकरे ने सभी जिलों में शिवाजी महाराज के मंदिरों के लिए उद्धव ठाकरे के हालिया आह्वान पर निशाना साधते हुए पूछा, ष्क्या मूर्तियां पर्याप्त नहीं हैं कि हर जिले में मंदिर बनाने की जरूरत है?ष

यूसीसी पर चर्चा

जब भी चुनाव आते हैं तब समान नागरिक संहिता का मुद्दा सुर्खियों में आ जाता है। समान नागरिक संहिता याघनि यूनिफोर्म सिविल कोड का अर्थ होता है–भारत में रहने वाले प्रत्येक नागरिक के लिए समान कानून का होना, फिर चाहे उनका धर्म या उनकी जाघति कुछ भी क्यों न हो। देश की सर्वोच्च अदालत तो यहां तक कह चुकी है कि अब वक्त आ गया है कि देश में यूसीसी को लागू किया जाए। सुप्रीम कोर्ट ने कहा था कि भारत सरकार यह भी स्प्ष्ट करे कि देश संविधान से चलेगा अथवा शरिया कानून भी संवैधानिक माना जाता रहेगा? पर्सनल लॉ तो सिख, ईसाई, पारसी, जैन आदि समुदायों के भी हैं।आदिवासी कघ्बीलों से उनकी तुलना नहीं की जा सकती क्योंकि मुस्लिम देश की दूसरी बहुसंख्यक आबादी है। हाल ही में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने भी देश में समान नागरिक संहिता लागू करने की बात की तो झारखंड विधानसभा चुनाव के लिए भाजपा संकल्प पत्र जारी करते हुए गृहमंत्री अमित शाह ने झारखंड में समान नागरिक संहिता लागू करने का ऐलान कर दिया। इससे एक बार घफिर समान नागरिक संहिता पर बहस शुरू हो गई। हालांकि गृहमंत्री अमित शाह ने यह वादा भी किया कि समान नागरिक संहिता से आदिवासी किसी भी तरह से प्रभावित नहीं होंगे।उनके कानून, उनकी परम्पराएं, उनकी संस्कृति पूर्ववत रहेगी। आदिवासियों को यूसीसी से बाहर रखा जाएगा। पूर्वोत्तर राज्यों के आदिवासी भी पहले से ही यूसीसी का घविरोध कर रहे हैं। झारखंड मुक्ति मोर्चा और उसके सहयोगी दल यूसीसी को लेकर यह ढिंढोरा पीट रहे हैं कि अगर यह कानून लागू हुआ तो आदिवासियों की सभ्यता और संस्कृति खतरे में पड़ जाएगी। यूसीसी लागू हो जाने से पूरे देश में शादी, तलाक, उत्तराधिकार और गोद घलिए जाने जैसे सामाजिक मुद्दे सभी एक समान कानून के तहत आ जाएंगे। इसमें धर्म के आधार पर कोई कोर्ट या अलग व्यवस्था लागू नहीं होगी।

दूसरी ओर 21वें घविधि आयोग ने साफ तौर पर यह कहा था कि इस समय समान नागरिक संहिता की जरूरत नहीं है। इसके बाद 22वें विधि आयोग का गठन किया गया और कानून मंत्रालय के अनुरोध पर विघधि आयोग ने समान नागरिक संहिता पर लोगों से राय मांगी। यूसीसी के विरोधियों का कहना है कि मोदी सरकार बार–बार इस मुद्दे को चर्चा में लेकर धुव्रीकरण और अपनी विफलताओं से ध्यान हटाने की राजनीति कर रही है। सवाल यह भी है कि भारत को यूसीसी की जरूरत क्यों है।

राष्ट्रवादी और लोकलुभावन राजनीति

श्रुति व्यास

करीब एक हफ्ते पहले, जर्मनी के पश्चिमी शहर जूलिंगन में एक स्थानीय उत्सव के दौरान कई लोगों को चाकूबाजी का शिकार बनाए जाने से देश में हंगामा मचा था। इस घटना में तीन लोग मारे गए। कथित अपराध ी एक सीरियाई था जो जर्मनी में शरण लेना चाह रहा था। उसे कई महीने पहले जर्मनी से निर्वासित कर दिया जाना चाहिए था। अभियोजक इस घटना को इस्लामिक उग्रवाद से जोड़ रहे हैं। घटना के बाद से शरणार्थियों को देश से निकाल बाहर करने एवं शरण देने संबंधी कानूनों को कड़ा बनाने की मांग बड़े पैमाने पर उठने लगी। माहौल में आक्रोश था और परिवर्तन की चाहत भी।

उस उत्तेजनापूर्ण माहौल का लाभ उठाते हुए अति दक्षिणपंथी आल्टरनेटिव फॉर जर्मनी (एएफडी) पार्टी ने एक नया नैरेटिव चलवाया। एएफडी के एक नेता बियोर्न होके ने हमले का एक वीडियो एक्स पर पोस्ट किया और सवाल पूछा, ष्जर्मनों, थिरुंजीयानों (जर्मनी के एक प्रांत थिरुन्जिया के निवासी) क्या आप ऐसे हालातों में जीने के आदी बनना चाहते हैं? या आप लादे गए बहुसंस्कृतिवाद के गलत रास्ते को छोडना चाहते हैं?ष पार्टी के अन्य नेताओं ने भी इसी तरह के विचार व्यक्त किए, और आम लोग इस नैरेटिव से जुड़ते चले गए।

इसका नतीजा यह हुआ की रविवार को एएफडी ने थिरुन्जिया और सेक्सिनी के महत्वपूर्ण राज्य–स्तरीय चुनावों में ऐतिहासिक सफलता हासिल की, जो द्वितीय विश्वयुद्ध के बाद हुए चुनावों में सबसे बड़ी थी। थिरुन्जिया, जहां पार्टी का नेतृत्व होके के हाथों में है, में पहली बार राज्य स्तरीय चुनावों में एएफडी सबसे शक्तिशाली पार्टी के रूप में उभरी है। दोनों राज्यों में उसे 30 प्रतिशत से अधिक वोट हासिल हुए।

पूर्वी जर्मनी में अति दक्षिणपंथ के प्रबल होने से प्रेक्षक चिंतित हैं क्योंकि इससे जर्मनी और यूरोप में प्रवासी विरोधी, राष्ट्रवादी और लोकलुभावन राजनीति एक बार फिर जोर पकड़ सकती है।

आल्टरनेटिव फॉर जर्मनी, जो जर्मन भाषा में एएफडी नाम से जानी जाती है, एक राष्ट्रवादी पार्टी है जो 11 सालों से राजनीति में है। पार्टी का विदेशियों के प्रति द्वेष भाव सर्वज्ञात है। उसे छह साल पहले तब प्रसिद्धि हासिल हुई जब तत्कालीन चांसलर एंजेला मर्केल ने मध्यपूर्व के युद्धग्रस्त देशों के दस लाख से अधिक निवासियों को जर्मनी में आने दिया और वहां बसने की अनुमति दी। अपनी नीतियों के चलते एएफडी को सरकारी निगरानी में रखा गया है क्योंकि यह जर्मनी के संविधान के लिए खतरा है। इसके बावजूद पार्टी ने इन चुनावों में सर्वाधिक सीटें हासिल कीं।

जूलिंगन में हुई चाकूबाजी की घटना के बाद जनता में होके के अति–दक्षिणपंथी आप्रवासी–विरोधी विचारों की स्वीकार्यता बढ़ गई है दृ इस हद तक कि प्रमुख राजनैतिक दल भी एफएडी के नैरेटिव को खारिज करने के बजाए उसका समर्थन कर रहे हैं। चांसलर स्कोल्ज ने अपनी प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए इस बात पर जोर दिया है कि अवैध प्रवासियों पर लगाम

कसी जानी चाहिए।

शरण लेने के इच्छुक ऐसे लोगों, जिनके अनुरोध अस्वीकार कर दिए गए हैं, के तत्काल निर्वासन पर जोर दिया जा रहा है। डेश पीगर (जिसका अर्थ होता है आईना) को दिए गए एक साक्षात्कार में स्कोल्ज ने कहा ष्हमें यह तय करने का अधिकार है कि हम किसे आने दें और किसे नहीं।ष एक अन्य साक्षात्कार के दौरान जब स्कोल्ज से अरब पृष्ठभूमि के लोगों के ष्इजराइल के प्रति नफरतष और यहूदी–विरोधी रवैये के बारे में पूछा गया तो उनका जवाब था ष्हमें बहुत बड़े पैमाने पर निर्वासन की कार्यवाही करनी चाहिए।ष

एएफडी के अलावा सस्ती लोकप्रियता हासिल करने में जुटी एक और पार्टी भी मैदान में है जिसने अपने गठन के केवल आठ महीने बाद चुनावों में अच्छी–खासी कामयाबी हासिल की। सारा वागनकनेख एलाइंस (बीएसडब्लू) एक श्वाम–रूढिघ्वादीय पार्टी है जिसे जनवरी में वागनकनेख नाम की पूर्वी जर्मनी की एक पूर्व कम्युनिस्ट द्वारा स्थापित किया गया था, जिसने अन्य वाम दलों से नात तोड़ लिया था। यह एक अति–वामपंथी दल है और इसने चुनावों में दोनों राज्यों में तीसरा स्थान हासिल किया। एएफडी की तरह बीएसडब्लू भी जर्मनी में कड़ी आप्रवासन नीति की पक्षधर है और यूक्रेन का साथ देने का विरोध करती है और यूक्रेन–रूस विवाद का हल युद्ध के जरिए नहीं बल्कि कूटनीति के माध्यम से हो, यह चाहती है। बीएसडब्लू का मजबूत प्रदर्शन जर्मनी के सोशल डेमोक्रेट्स के लिए बुरी खबर है। चांसलर ओलाफ स्कोल्ज भी इसी पार्टी में हैं और इस बात का खतरा है कि पार्टी के और बहुत से वामपंथी मतदाता उससे दूर हो जाएं।

सस्ती लोकप्रियता हासिल करने में जुटी इन पार्टियों का मजबूत प्रदर्शन केन्द्रीय सरकार के लिए एक बड़ा झटका है। राष्ट्रीय सरकार में शामिल तीनों दलों दृ सोशल डेमोक्रेटिक पार्टी, ग्रीन पार्टी और लिब्रेटेरियन फ्री डेमोक्रेटिक पार्टी दृ को इन राज्यस्तरीय चुनावों में काफी नुकसान झेलना पड़ा है। इससे यह साफ हो गया है कि ये पार्टियां और उनके नेता न केवल पूर्व पूर्वी जर्मनी में अलोकप्रिय हो गए हैं बल्कि कमोबेश पूरे देश में यही स्थिति है।

यह स्पष्ट है कि अगले राष्ट्रीय चुनाव में देश दक्षिणपंथ की ओर करवट लेगा। इसका अर्थ होगा अपेक्षाकृत सख्त आप्रवासन नियम और जर्मनी की मंद पड़ी अर्थव्यवस्था को बेहतर करने पर ज्यादा ध्यान दिया जाना। यही रूझान यूरोप के अन्य देशों में भी नजर आ रहा है दृ जैसे फ्रांस में जहां एक दक्षिणपंथी दल के मजबूत प्रदर्शन के चलते अभी तक नई सरकार का गठन नहीं हो सका है।

स्वतंत्र होना पिंजरे में लौटना

श्रुति व्यास

आपके पास दो विकल्प हैं दृ या तो आप स्वयं एक लकीर खींच लीजिये और यह तय कर लीजिये की आप उसे पार नहीं करेंगे और या फिर अपनी बर्बादी का मंजर देखने के लिए तैयार रहिये। राष्ट्रवाद, आजादी की सीमा तय कर रहा है। राष्ट्रवाद, प्रजातंत्र और बोलने की आजादी का गला घोंट रहा है। आजादी के 78वें साल में आप बोल तो सकते हैं, मगर डरते–डरते। आप आसमान में उड़ तो सकते हैं, मगर शाम ढले पिंजरे में लौटने के लिए।ज् आज जिस आकाश में तिरंगा लहराएगा वह धूसर होगा और उसमें एक सफेद कबूतरी उड़ रही होगी दृ पिंजरे में वापस जाने के लिए शापित।

मैं हर सुबह, उसे ऊंची उड़ान भरते देखती हूं। वह काले कबूतरों में मन छूती सफेदी थी। और आकाश जब साफ व नीला होता था, तो वह चमचमाती थी, जगमगाती थी। उसके पंख उसे ऊपर, और ऊपर ले जाते थे। लेकिन तभी वह एकाएक, गुलाटियां खाते हुए मेरे पड़ोसी की विशाल छत पर फैले दाने चुगने के लिए झपट्टा मारती थी! ओह! धूसर आकाश से उतरती वह सफेद कबूतरी। केवल अल सुबह वह दिखती थी। जल्दी ही मुझे समझ आया कि अरे, यह तो पिंजरे का पंछी है। उसे केवल सुबह–सुबह आजादी मिलती है और फिर पूरे दिन के लिए वापिस पिंजरे में! मगर हां, वह जब भी आजाद हो ऊंची उड़ती हुई आकाश में गोते लगाती है, नाचती है तो उसे देखना आंखों को खुशी से सराबोर कर देता है। मगर फिर अचानकज्उसके बाद क्या?

आजादी! इस शब्द को हम बहुत हल्के में लेते हैं। हम इसकी अहमियत तब तक नहीं समझ पाते जब तक वह हमसे छीन नहीं ली जाती। हमें–आपको, पक्षियों को भी आजादी का अहसास केवल खुले आसमान में होता है, पिंजरे में या जंजीरों में बंध कर नहीं। स्वतंत्रता हमें अपना सिर ऊपर उठा कर जीने देती है, वह हमें अपने लिए सोचने देती है। तभी आजादी हर एक के लिए अमृत है, संजीवनी है।हम भारतीय जानते हैं कि गुलामी में जीना क्या होता है? हम जानते हैं कि पिंजरा कैसा होता है, कैद कैसी होती है। हम जानते हैं कि खुले आकाश में उड़ना कैसा होता है। हम जानते हैं कि आधी रात को हमें जो आजादी हासिल हुई उसके पीछे न जाने कितने सालों, कितने दशकों का संघर्ष था, लड़ाई थी और कुर्बानियां थीं।सन 1947 के 15 अगस्त की सुबह हमने आजादी का स्वाद चखा, आसमान में उड़ने के आल्हाद का अनुभव किया। हम झूमे, हम नाचे। तब अरमान हमारे पंख बन गए। और आज हम अपनी उस आजादी की 78वीं वर्षगांठ मना रहे हैं।

यह जश्न मनाने का समय तो है ही, पर साथ ही सोचने–विचारने का समय भी है। क्या हम वाकई आजाद हैं? या फिर हम धूसर आकाश में केवल अलसुबह उड़ने वाली कबूतरी हैं? क्या भारत को वह आजादी हासिल है जिसकी कल्पना हमनें 15 अगस्त 1947 को की थी? क्या हमारा प्रजातंत्र हमें सचमुच की स्वतंत्रता देते हुए हैं? आजादी के 78वें साल में भारत के नागरिक आखिर कितने आजाद है?आजादी के बाद से कभी भी भारत के लोगों ने भरपूर आजादी कभी अनुभव नहीं की। बीच–बीच में कई तूफान आये, कई चुनौतियाँ आईं। मगर आजादी उतनी अधूरी, उतनी लंगड़ी कभी नहीं थी जितनी वह पिछले दस सालों से है। और यह सच्चाई है भले कितनी ही कड़वी लगे।अगर हम वैश्विक मानदंडों की बात करें तो आज के भारत को केवल आंशिक रूप से आजाद कहा जा सकता है। इस बात से कोई इंकार नहीं कर सकता कि हमारे प्रजातान्त्रिक अधिकारों पर कई तरह की रोकें हैं। श्अच्छे दिनोंच की लालसा में, श्नए भारतच्य के सपने देखने में हम इतने मशगूल हो गए थे कि जो हो रहा था, हमने उसे होने दिया। पिछले कम से कम पांच सालों के बारे में तो यह कहा ही जा सकता है कि हम वैसे सहिष्णु और धर्मनिरपेक्ष समाज नहीं बचे हैं जिसका सपना आजाद भारत की नींव रखने वालों ने देखा था। हमसे कहा गया कि हम इंडिया और भारत में से एक को चुनें। हमने वह किया। हम अपने में गुम हो गए दृ इस हद तक कि हम अपनों को ही निशाना बनाने लगे। प्रजातन्त्र के चारों स्तंभों की चूलें हिल गई है और हिली हुई हैं। आप कुछ भी लिखने के लिए केवल तब तक स्वतंत्र हैं जब तक कि आपके दरवाजे पर कोई खटखटाता नहीं है। और एक खटखटाहट ही आपकी आजादी का अंत हो सकती है। आप अपना व्यापार–व्यवसाय करने के लिए केवल तब तक स्वतंत्र हैं जब तक किसी एजेंसी का कोई नोटिस आपकी उस आजादी को छीन नहीं लेता। आप विरोध करने के लिए केवल तब तक स्वतंत्र हैं जब तक आप उस बैरिकेड को नहीं लांघते जो आपके लिए लगाया गया है। आपके पास दो विकल्प हैं दृ या तो आप स्वयं एक लकीर खींच लीजिये और यह तय कर लीजिये की आप उसे पार नहीं करेंगे और या फिर अपनी बर्बादी का मंजर देखने के लिए तैयार रहिये। राष्ट्रवाद, आजादी की सीमा तय कर रहा है। राष्ट्रवाद, प्रजातंत्र और बोलने की आजादी का गला घोंट रहा है। आजादी के 78वें साल में आप बोल तो सकते हैं, मगर डरते–डरते। आप आसमान में उड़ तो सकते हैं, मगर शाम ढले पिंजरे में लौटने के लिए। उल्लास गुमशुदा हो गया है। आज जिस आकाश में तिरंगा लहराएगा वह धूसर होगा और उसमें एक सफेद कबूतरी उड़ रही होगी दृ पिंजरे में वापस जाने के लिए शापित। देश में विवाद हैं, गिरोहबंदी है, बंटवारा है। हम शायद रास्ता भूल गए हैं। हम शायद नहीं जानते कि हम किस तरह का भारत चाहते हैं। क्या हम अनंत आकाश में अनंत काल तक उड़ना चाहते हैं या पिंजरा ही हमारी नियति है?

आज का राशिफल

डॉ बिपिन पाण्डेय
ज्योतिष विभाग
लखनऊ विवि

मेष–आज मन खुश रहेगा व जीवनसाथी का भरपूर सहयोग मिलेगा। नौकरी में पदोन्नति के आसार हैं आपको थोड़ा संयम से रहने की आवश्यकता होगी। आपके परिवार का कोई सदस्य आपके लिये मार्गदर्शक बनेगा। थकान महसूस होगी। आराम के लिए समय निकालें।

वृष –आज आपको स्वास्थ्य को लेकर आपको थोड़ा सचेत रहने की आवश्यकता होगी। विद्यार्थियों को अपने लक्ष्य हासिल करने में थोड़ी अधिक मेहनत करनी पड़ सकती है लेकिन उन्हें इस कड़ी मेहनत का अपेक्षित परिणाम भी हासिल होगा। दिन की शुरुआत में आपको थोड़ा सचेत रहने की आवश्यकता है।

मिथुन –आज अपने स्वास्थ्य को लेकर ज्यादा चिंता न करें, क्योंकि इससे आपकी बीमारी और बिगड़ सकती है। पैसे कमाने के नए मौके मुनाफा देंगे। आपको पहली नजर में किसी से प्यार हो सकता है। घर में मरम्मत का काम या सामाजिक मेल–मिलाप आपको व्यस्त रखेगा। व्यापारियों के लिए अच्छा दिन है।

कर्क –दुश्मन की ताकत का अंदाजा लगाए बिना उलझना ठीक नहीं है। जीवनसाथी की भावनाओं का सम्मान करें। धर्म–कर्म में आस्था बढ़ेगी। विरोधी परास्त होंगे। महत्वपूर्ण कार्य में विलंब संभव है। लाभ होगा। अपने प्रेमी या जीवनसाथी की नाराजगी का सामना करना पड़ सकता है।

सिंह –आज पुरानी गलतियों को लेकर भय बना रहेगा। साझेदारी में चल रहा गतिरोध दूर होने के आसार है। आयात–निर्यात के कारोबार में बड़ा लाभ संभव है। समान विचारधारा वाले लोगों के साथ काम करना आसान रहेगा। दूसरों की गलती अपने पर आ सकती है। काम में देरी से लाभ की मात्रा सीमित होगी।

कन्या –आज के दिन आपको सुख–समृद्धि, कार्यक्षेत्र में उन्नति, सुखद सफल यात्राएं, परिवार और जीवन साथी का सहयोग सब मिलने के आसार हैं। विवाहित व्यक्ति अपने जीवनसाथी में पूर्णतया विश्वास जतायें अन्यथा संबंधों में खटास पैदा हो सकती है। आपके कर्मक्षेत्र, आपके सम्मान व आपके नाम पर पडने के आसार हैं।

तुलाःआज भाग्य आपके साथ है। लंबे समय से चले आ रहे प्रेम संबंधों को नया रूप देने के लिए अच्छा मौका है। आज स्वास्थ्य को लेकर सतर्क रहें। अचानक सेहत बिगड़ सकती है और कई जरूरी काम भी रुक सकते हैं। परिवार के लोग आपसे थोड़े नाराज हो सकते हैं।

वृश्चिकः आज आप अकेलापन महसूस कर सकते हैं, इससे बचने के लिए कहीं बाहर जाएं और दोस्तों के साथ कुछ समय बिताएं।आज जिस नए समारोह में आप शिरकत करेंगे, वहाँ से नयी दोस्ती की शुरुआत होगी। आज आपका प्रिय आपके साथ में समय बिताने और तोहफे की उम्मीद कर सकता है।

धनुः आज आपके परिश्रम से किए गए कार्य में सिद्धि होगी। नौकरी में आप का सम्मान बढेगा। यात्रा के दौरान आप नयी जगहों को जानेंगे। और महत्वपूर्ण लोगों से मुलाकात होगी। आप अपने प्रिय द्वारा कही गयी बातों के प्रति काफी संवेदनशील होंगे। अगर आप सूझ–बूझ से काम लें, तो आज अतिरिक्त धन कमा सकते हैं।

मकरः आज आपके आय के नए स्रोत बनेंगे। आकस्मिक धन के अवसर मिलेंगे। मित्रों और जीवनसंगिनी के सहयोग से राह आसान होगी। आध्यात्मिक कार्यों में रुचि बढ़ेगी। दफ्घ्तर का तनाव आपकी सेहत खराब कर सकता है। अपने जज्बात पर काबू रखें। आज आपको अपने प्रिय की याद सताएगी।

कुंभः आज आप करिअर से जुड़े फैसले खुद करें, बाद में इसका लाभ आपको मिलेगा। सहकर्मियों और कनिष्ठों के चलते चिंता और तनाव के क्षणों का सामना करना पड़ सकता है। माता–पिता की मदद से आप आर्थिक तंगी से बाहर निकलने में कामयाब रहेंगे। आज दोस्तों के साथ बाहर घूमना आपके मन को खुशी देगा।

मीनः आज भाग्य पर निर्भर न रहें और अपनी सेहत को सुधारने की कोशिश करें। आप उन लोगों की तरफ वादे का हाथ बढ़ाएंगे, जो आपसे मदद की गुहार करेंगे। यह दिन आपके सामान्य वैवाहिक जीवन से कुछ हटकर होने वाला है। यह दिन आपके सामान्य वैवाहिक जीवन से कुछ हटकर होने वाला है।

पार्टियों की लड़ाई लोग भोग रहे नर्क

अजीत द्विवेदी

जिन लोगों को स्वर्ग और नर्क की अवधारणा में यकीन है या जिन लोगों ने गरुड़पुराण पढ़ा या सुना है उनको पता होगा कि नर्क कैसा होता है। वहां मवाद और खून की नदियां बहती हैं, खाने और पीने को कुछ नहीं मिलता है, विशाल आकार के दूत कोड़े और मुगदर से मारते हैं, कहीं आग से जलाया जाता है तो कहीं खौलते तेल की कड़ाही में डाल दिया जाता है आदि आदि। अगर सचमुच धरती से 99 सहस्त्र योजन दूर स्थित नर्क ऐसा ही है तो उसे देखने के लिए वहां जाने की कोई जरुरत नहीं है। दिल्ली के लोग खुश हो सकते हैं कि वे धरती पर ही उसके दर्शन कर रहे हैं। यहां यमुना नाम की एक पवित्र नदी है, जिसमें लगभग पूरे साल पानी नहीं होता है लेकिन दिल्ली की सड़कों पर बने बड़े बड़े गड्ढों में बारिश के पानी की नदियां बहती रहती हैं और उनमें डूब कर लोग मरते रहते हैं।

इमारतों की बेसमेंट में भी बारिश के पानी की नदियां बहती हैं और उनमें भी डूब कर लोग मर जाते हैं। कहीं बेतरतीब बनी इमारतों में आग लग जाती है, जिससे लोग जल कर मर जाते हैं तो कहीं राह चलते करंट लग जाता है और लोग मर जाते हैं। यहां यमराज के दूत दुकानों पर सरेआम गोलियां चलाते हैं और करोड़, दो करोड़, पांच करोड़ की फिरौती की मांग करके जाते हैं। राह चलते झगड़े हो जाएं और लोग एक दूसरे का खून कर दें, यह तो बहुत सामान्य सी बात है। इसी तरह गाडियों के नीचे कुचल कर लोगों का मर जाना भी बड़ी स्वाभाविक घटना है।

जरा सी बारिश होती है तो सड़कों पर इतना पानी जमा हो जाता है और रोड ओवर ब्रिजेज के नीचे ऐसी नदियां बहने लगती हैं कि सड़कों पर ट्रैफिक पूरी तरह से रूक जाता है। लोग घंटों गाडियों में बैठे रहते हैं। कायदे से बारिश के दिन में तो लोगों को अपनी गाडियों में कई दिन के खाने पीने की चीजें लेकर ही निकलना चाहिए। दिल्ली के एक पुराने रहवासी ने पिछले दिनों अपने इलाके में जलभराव और ट्रैफिक जाम को लेकर सोशल मीडिया में लिखा कि उनके इलाके में तो ठीक से ओस गिर जाए तो पानी जमा हो जाता है। असल में ऐसा दिल्ली के कई इलाकों में होता है। सोचें, हमलोगों के पूर्वजों ने कहा कि, श्ओस चाटने से प्यास नहीं बुझतीच्य और यहां ओस की वजह से ट्रैफिक जाम करने लायक जलभराव हो रहा है! यह अलग बात है कि प्यास बुझाने लायक पानी के लिए दिल्ली के लोगों को बड़ी मशक्कत करनी होती है। ज्यादातर समय पानी की किल्लत बनी ही रहती है।

कानून व्यवस्था का एक बड़ा संकट पहले से मौजूद है। बिहार और उत्तर प्रदेश में अब गैंगवार की खबरें कम आती हैं लेकिन दिल्ली में भाऊ गैंग, काला जठेड़ी गैंग, बवाना गैंग, बिश्नोई गैंग, बरार गैंग, हाशिम गैंग, बम्बिहा गैंग, कराला गैंग, टिल्लू गैंग, ठकठक गैंग, नमस्ते गैंग जैसे दर्जनों गैंग्स के बारे में रोज सुनने को मिलता है, जिनका शिकार बनने के लिए दिल्ली के लोग अभिशप्त हैं। अनेक गैंग तो दिल्ली के तिहाड़ जेल से ही संचालित हो रहे हैं। अभी बारिश, जलजमाव और ट्रैफिक की समस्या का समया है, थोड़े दिन के बाद प्रदूषण का समय आ जाएगा। तब लोगों का दम घुट रहा होगा और भाजपा व आम आदमी पार्टी के लोग एक दूसरे पर आरोप लगाने में लगे रहेंगे।

सवाल है कि देश की राजधानी, जहां राष्ट्रपति भवन है, जहां प्रधानमंत्री रहते हैं, देश के 140 करोड़ लोगों के सारे भाग्य विधाता रहते हैं और दुनिया के भर के देशों के राजदूत व उच्चायुक्त रहते हैं वह नर्क में कैसे तब्दील हो गई? दिल्ली के उप राज्यपाल विनय कुमार सक्सेना की मानें तो इसे दिल्ली की आम आदमी पार्टी ने नर्क बनाया है। उन्होंने अंग्रेजी के एक अखबार में लेख लिख कर यह बात कही है। हालांकि उन्होंने अपने लेख में जो विषय उठाएं हैं उनको छोड़ कर ज्यादा चर्चा इस बात पर हो रही है कि उप राज्यपाल होकर वे दिल्ली की चुनी हुई सरकार के बारे में ऐसा लिख सकते हैं या नहीं? इस बहस में उनके उठाए मुद्दे, जो सीधे दिल्ली की जनता से जुड़े हैं वे हाशिए में चले गए।

बहरहाल, उप राज्यपाल का यह विचार है तो दूसरी ओर चुनी हुई सरकार का यह कहना है कि उप राज्यपाल की वजह से दिल्ली नर्क बनी है क्योंकि वे काम नहीं करने दे रहे हैं। यह बात वह सरकार कह रही है, जिसके मुखिया दिल्ली की तिहाड़ जेल में बंद हैं। वे पिछले करीब छह महीने से जेल में हैं और उन्होंने मुख्यमंत्री पद से इस्तीफा नहीं दिया है। जाहिर है मुख्यमंत्री बाहर नहीं हैं तो कैबिनेट की बैठक नहीं हो रही है और कोई फैसला लोगों की जरुरतों या स्थितियों के मुताबिक नहीं हो रहा है। सब कुछ तदर्थ रूप से हो रहा है। सारे मंत्रियों के पास हर समस्या पर एक ही जवाब है कि उप राज्यपाल नहीं करने दे रहे हैं। सफाई क्यों नहीं हुई तो एलजी ने नहीं करने दिया। बरसात से पहले गाद क्यों नहीं निकाली, जबकि नगर निगम भी तुम्हारे पास है तो एलजी ने नहीं करने दिया। स्ट्रीट लाइट क्यों नहीं जल रही तो एलजी ने नहीं जलने दिया। सीसीटीवी कैमरे क्यों नहीं लगे तो एलजी ने नहीं लगने दिया।कॉलेजों में शिक्षकों के वेतन में क्यों देरी है तो एलजी पैसे नहीं जारी कर रहे हैं। स्थायी शिक्षकों की बजाय स्कूलों में तदर्थ या अतिथि शिक्षक क्यों हैं तो एलजी ने नहीं होने दिया। अस्पतालों की हालत इतनी खराब क्यों है तो एलजी ने नहीं ठीक करने दिया। सड़कों और पार्किंग की व्यवस्था क्यों नहीं हुई तो एलजी ने नहीं करने दिया। सर्दियों में प्रदूषण से निपटने के उपाय क्यों नहीं हुए तो एलजी ने नहीं करने दिया। मतलब एलजी कोई काम नहीं करने दे रहे हैं। आम आदमी पार्टी के साढ़े नौ साल के कार्यकाल में पुराने और नए एलजी ने मिल कर सारे काम रोक दिए, एलजी सिर्फ एक ही काम नहीं रोक पाए और वह है चार बंगले तोड़ कर 50 करोड़ रुपए की लागत से मुख्यमंत्री का एक विशाल, चमकता हुआ बंगला तैयार करने का। वह काम कराने में दिल्ली सरकार को कोई बाधा नहीं आई। बाकी सारे काम एलजी रोक रहे हैं।

बहरहाल, केंद्र सरकार के बनाए जीएनसीटीडी एक्ट यानी गवर्नमेंट ऑफ नेशनल कैपिटल टेरेटरी दिल्ली एक्ट के मुताबिक दिल्ली के उप राज्यपाल ही असली सरकार हैं। अदालतों के कुछ फैसलों से भी दिल्ली के शासन प्रशासन पर एलजी का अधिकार स्थापित हुआ है। लेकिन जिस तरह से मुख्यमंत्री और उनकी सरकार हर तरह की जिम्मेदारी से मुक्त हैं वैसे ही एलजी साहब पर भी किसी तरह की जिम्मेदारी नहीं है। उनकी तरफ से लडने के लिए भारतीय जनता पार्टी के नेता हैं, जो दिल्ली की हर समस्या के लिए केजरीवाल सरकार को जिम्मेदार ठहराते हैं।जबकि हकीकत यह है कि कई मामलों में सीधी जिम्मेदारी केंद्र की भाजपा सरकार की बनती है, जिसके प्रतिनिधि उप राज्यपाल हैं। दिल्ली में सबसे बड़ी समस्या सुरक्षा और कानून व्यवस्था की है। आए दिन हत्याएं हो रही हैं। बलात्कार हो रहे हैं। लूटमार की घटनाएं हो रही हैं। बड़े बड़े गैंग्स चल रहे हैं, जो कारोबारियों की दुकानों पर गोलियां चला रहे हैं और रंगदारी के लिए धमकियां दे रहे हैं। साइबर क्राइम हो रहे हैं और पुलिस असहाय है। यह सीधे केंद्र सरकार के अधीन आने वाला विभाग है लेकिन कोई सवाल पूछे तो भाजपा के नेता कह देंगे कि दिल्ली सरकार निकम्मी है।कुल मिला कर स्थिति यह है कि दिल्ली के लोग सचमुच भगवान भरोसे हैं। शासन की चार स्तरीय व्यवस्था है यानी दिल्ली की चुनी हुई सरकार है, दिल्ली नगर निगम है, केंद्र सरकार की शासन व्यवस्था है और सेना का कैंटोनमेंट का इलाका है फिर भी दिल्ली के लोग असहाय हैं। भाजपा और आम आदमी पार्टी के बीच ऐसी राजनीतिक लड़ाई है कि दोनों ने संकल्प किया हुआ है कि एक दूसरे को निपटाए बिना कोई काम न करेंगे और न दूसरे को करने देंगे। दोनों पार्टियों की इस लड़ाई में दिल्ली के लोग नर्क भोग रहे हैं।

टीम जाकर राजस्व शिकायतों का निस्तारण करायें-डीएम

किसी भी स्तर पर शिथिलता या लापरवाही कदापि न बरती जाये–जिलाधिकारी

प्रतापगढ़। जिलाधिकारी संजीव रंजन की अध्यक्षता में तहसील लालगंज में सम्पूर्ण समाधान दिवस का आयोजन किया गया। लालगंज तहसील सम्पूर्ण समाधान दिवस में कुल 109 फरियादी अपनी समस्याओं के निस्तारण हेतु उपस्थित हुये जिनमें से राजस्व विभाग की 02 एवं पुलिस विभाग की 01 शिकायत इस प्रकृति की पायी गयी जिनका मौके पर निस्तारण कर दिया गया। सम्पूर्ण समाधान दिवस में कुल प्राप्त 109

➤ सम्पूर्ण समाधान दिवस लालगंज में डीएम एवं एसपी ने सुनी शिकायतें, 03 मामले का मौके पर हुआ निस्तारण,

शिकायतों में से 61 शिकायतें राजस्व विभाग से, पुलिस विभाग से 30, विकास विभाग से 04, शिक्षा विभाग से 01, विद्युत विभाग से 03, आपूर्ति विभाग से 02 एवं 08 अन्य विभागों से सम्बन्धित शिकायतें प्राप्त हुई। पुलिस विभाग से सम्बन्धित शिकायतों को पुलिस अधीक्षक डा0 अनिल कुमार एवं विकास विभाग से सम्बन्धित शिकायतों को मुख्य विकास अधिकारी डा0 दिव्या मिश्रा द्वारा सुनी गयी।

सम्पूर्ण समाधान दिवस में शिकायतकर्ता कौशिल्या पाल व निर्मला निवासी पूरेछत्तू ने शिकायत किया कि गांव के राकेश, चन्द्रेश, राजकुमार ने मेरी जमीन पर जबरन अवैध रूप से कब्जा कर मकान बना रहे है, कई बार अवैध कब्जा हटाने को कहा लेकिन वे लोग लड़ाई करने को तैयार हो जाते है और मेरे जमीन से अवैध कब्जा नहीं हटाते है, इस प्रकरण पर जिलाधिकारी ने उपजिलाधिकारी लालगंज एवं एसएचओ लालगंज को निर्देशित किया कि राजस्व एवं पुलिस की संयुक्त टीम बनाकर शिकायत का निस्तारण करायें।

शिकायतकर्ता मो0 इकबाल निवासी चमरूपुर शुक्लान ने शिकायत किया कि गांव के नसीम द्वारा रास्ते की भूमि को कब्जा कर लिया गया है और इसकी कई बार शिकायत भी कर चुँका हूं, इस प्रकरण पर जिलाधिकारी ने उपजिलाधिकारी लालगंज एवं एसओ लीलापुर को

निर्देशित किया कि राजस्व एवं पुलिस की संयुक्त टीम बनाकर रास्ते के अतिक्रमण को हटवायें।

इसी प्रकार जिलाधिकारी ने अन्य जन शिकायतों को गम्भीरता पूर्वक सुनकर अधिकारियों को स्पष्ट रूप से निर्देशित किया कि शासन की मंशा अनुरूप शिकायतों का निस्तारण प्राथमिकता के आधार पर गुणवत्तापूर्ण ढंग से किया जाये, अन्यथा की स्थिति में सम्बन्धित के विरूद्ध कार्रवाई की जायेगी।

उन्होने कहा कि शासन की मंशा के अनुरूप शिकायतों के सम्बन्ध में शिकायकर्ताओं से सम्पर्क अवश्य करें की उनकी शिकायत का निस्तारण हुआ या नहीं और यदि शिकायत का निस्तारण नहीं हुआ है तो निर्धारित समयावधि में शिकायत का निस्तारण करायें, लापरवाही कदापि न बरतें।

उन्होने अधिकारियों को निर्देशित करते हुये कहा कि सम्पूर्ण समाधान दिवस में आये जमीनी विवादों के शिकायतों को राजस्व और पुलिस टीम द्वारा मौके पर जाकर बिना किसी पक्षपात के उन शिकायतों का निस्तारण गुणवत्तापूर्ण ढंग से किया जाये। उन्होने उपस्थित अधिकारियों से कहा कि वह अपने अधीनस्थों पर निर्भर न रहें बल्कि स्वयं निस्तारण की गुणवत्ता को देखें। सम्पूर्ण समाधान दिवस में जिलाधिकारी ने सभी विभागीय अधिकारियों को सख्त निर्देश दिये कि कार्यो में ढिलाई कदापि न बरती जाये, कोई भी गरीब व्यक्ति किसी कल्याणकारी योजनाओं से वंचित न रहने पाये।

उन्होने अधिकारियों को निर्देशित किया कि शिकायतों के निस्तारण में किसी भी स्तर पर शिथिलता या लापरवाही को बहुत ही गम्भीरता के साथ लिया जायेगा, इसलिये सभी अधिकारीगण शासन की मंशा के अनुरूप सम्पूर्ण समाधान दिवस में प्राप्त शिकायतों का निस्तारण गुणवत्तापूर्ण एवं त्वरित गति से किया जाये। इस अवसर पर पुलिस अधीक्षक डा0 अनिल कुमार ने समस्त थानाध्यक्षों को निर्देशित किया कि सम्पूर्ण समाधान में पुलिस विभाग से सम्बन्धित प्राप्त शिकायतों का निस्तारण समय–सीमा के अन्दर किया जाना सुनिश्चित करें। उन्होने पुलिस अधिकारियों/थानाध्यक्षों को निर्देश दिया कि जो भी शिकायतकर्ता अपनी शिकायत लेकर आयें उनकी शिकायतों को विनम्रता पूर्वक सुने, प्रत्येक मामले में मौके पर जाकर निष्पक्ष जांच करें और प्रत्येक दशा में पीड़ित को न्याय मिले। इस अवसर पर उपजिलाधिकारी लालगंज नैन्सी सिंह, तहसीलदार सहित जनपद स्तरीय अधिकारी उपस्थित रहे।

अलग–अलग सड़क दुर्घटनाओं में दो की मौत

मिल्कीपुर अयोध्या(आरएनएस)। अयोध्या रायबरेली हाईवे के गहनाग मंदिर के पास एक तेज रफ्तार अज्ञात वाहन ने बाइक सवार युवक को टक्कर मार दी, जिससे उसकी मौत हो गई। पुलिस ने युवक को इलाज के लिए सीएचसी मिल्कीपुर पहुंचाया, जहां चिकित्सकों ने उसे मृत घोषित कर दिया। पुलिस ने शव का पंचनामा भरने के बाद पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। परिजनों की ओर से अभी कोई तहरीर नहीं मिली है, प्राप्त जानकारी के मुताबिक थाना कोतवाली इनायत नगर क्षेत्र के कदनपुर पूरे सर्वजीत तिवारी गांव निवासी गणेश चंद्र तिवारी पुत्र अवधेश तिवारी 32 वर्ष पूरा कलंदर थाना क्षेत्र के नौवाकुआ के पास किसी कंपनी में नौकरी कर रहे थे। सोमवार की रात ड्यूटी से वापस लौट रहा था।

जैसे ही थाना कोतवाली इनायत नगर क्षेत्र के अयोध्या रायबरेली हाईवे स्थित गहनाग मंदिर के पास पहुंचे ही थे तभी अज्ञात वाहन ने टक्कर मार दिया। जिससे गणेश नंदन तिवारी गंभीर रूप से घायल हो गए। सूचना पर पहुंची पुलिस ने बाइक सवार घायल युवक को इलाज के लिए सीएचसी मिल्कीपुर पहुंचाया। जहां मौजूद डॉक्टरों ने देखने के बाद मृत घोषित कर दिया। पुलिस की सूचना पर पहुंचे परिजनों की मौजूदगी में शव का पंचनामा भरने के बाद पोस्टमार्टम को भेजा दिया है।

मृतक दो भाइयों में सबसे बड़ा था किसी प्राइवेट कंपनी में नौकरी कर रहा था पत्नी पूजा तिवारी आशा बहू है। जिसके दो बेटियां हैं बड़ी बेटी करीब 6 वर्ष की है और छोटी बेटी ढाई वर्ष की है। मृतक का छोटा भाई कार्तिकेय नंदन तिवारी अभी पढ़ाई दिखाई कर रहा है। घटना के पास परिजनों में कोहरा मचा हुआ है।वहीं दूसरी ओर इनायतनगर थाना क्षेत्र के धौरहरा मुकुंदहा गांव निवासी 24 वर्षीय शुभम तिवारी पुत्र रामजन्म तिवारी पुलिस चौकी बारून बाजार क्षेत्र के पूरे पाठक गांव में बर्थडे पार्टी में शामिल होने जा रहा था जैसे ही मीठे गांव चौराहे के पास पहुंच ही था कि तभी अज्ञात वाहन ने टक्कर मार दिया। जिससे वह गंभीर रूप से घायल हो गया। सूचना पर पहुंची पुलिस ने घायल शुभम को इलाज के लिए सीएचसी मिल्कीपुर पहुंचाया जहां मौजूद डॉक्टरों ने प्राथमिक उपचार कर जिला अस्पताल रेफर कर दिया था। जहां इलाज के दौरान मौत हो गई। पुलिस ने शव का पंचनामा बनाने के बाद पोस्टमार्टम को भेज दिया है। इनायत नगर पुलिस का कहना है कि अभी कोई तहरीर नहीं मिली है तहरीर मिलने के बाद प्राथमिकी दर्ज कर कार्रवाई की जाएगी।

क्षयरोगियों को भी सामान्य जीवन जीने का अधिकार है–विजय राय

सुल्तानपुर (आरएनएस)। क्षयरोगियों के लिए लगातार लोगों के हाथ बढ़ रहे है, उनके खाने–पीने दवा–ईलाज और देखरेख के साथ क्षयरोगियों का हाल जानना उनसे संपर्क बनाए रखना उनके लिए और कुछ बेहतर किया जाए इसकी फिक्र करना यह हर किसी के वश की बात नही है। लेकिन इसे परवान चढ़ाने में कुछ सरकारी कर्मचारियों ने बीते वर्षों से गुपचुप तरीके से बहुत सारे क्षयरोगियों को गोद लिया और उनके खाने, दवा, इलाज का जिम्मा उठाया जो आज ठीक होकर सामान्य जीवन जी रहे है, परंतु यह सिलसिला बंद न होकर और गति के साथ आगे बढ़ रहा है। इस पुण्य कार्य में कुछ नाम शामिल है, जिसका जिक्र करना इसलिए भी जरूरी है कि लोग इनसे प्रेरित होकर आगे बढ़े और क्षयरोगियों को गोद लेकर उनको सामान्य जिदगी जीने का हौसला दें। अब तक दर्जनों टीबी के मरीजों को गोद लेने की लिस्ट में उप मुख्य चिकित्साधिकारी डां.लालजी, मो.फहीम पीपीएम, सीएमओ कार्यालय में तैनात चालक संघ के मंत्री मो.वसीम और प्रधान सहायक विजय राय के द्वारा लगातार मरीजों को गोद लेकर हर महीने उन्हें पौष्टिक आहार की किट तथा कुछ पैसे आदि देकर उनका ख्याल रखा जाता है।

संक्षेप

पीएम आवास शहरी के अपात्र लाभार्थियों की सूची हुई चस्पा

सोनभद्र(आरएनएस)। परियोजना अधिकारी डूडा सोनभद्र ने अवगत कराया है कि जनपद सोनभद्र के प्रधानमंत्री आवास योजना (शहरी) के लाभार्थियों को विभिन्न डी०पी०आर० में स्वीकृत लाभार्थी भिन्न–भिन्न कारणों से अपात्र पाये गये है, उनकी नगर निकायवार सूची ओबरा 38, रेनूकूट 02 एवं राबर्ट्सगंज 51 संबधित नगर निकाय कार्यालयों के नोटिस बोर्ड एवं जिला नगरीय विकास अभिकरण (डूडा), सोनभद्र के कार्यालय के नोटस बोर्ड पर चस्पा कर दी गयी है। सबंधित लाभार्थियों को सूचित किया जाता है कि वे उक्त सूची का अवलोकन कर लें और अपनी पात्रता के सम्बन्ध में अपने अभिलेखीय साक्ष्य आगामी 7 कार्य दिवस में अपने सम्बन्धित नगर निकाय में अथवा जिला नगरीय विकास अभिकरण (डूडा), सोनभद्र कार्यालय में प्रस्तुत करना सुनिश्चित करें। उक्त समय के बाद किसी भी लाभार्थी का कोई भी दावा मान्य अथवा स्वीकार नहीं होगा और उसको अन्तिम रूप से अपात्र मानते हुये कर्टेलमेन्ट डी०पी०आर० मुख्यालयध्शासन को प्रेषित कर दी जायेगी।

विशिष्टजनों का मनाया गया जन्मदिन

सोनभद्र(आरएनएस)। धर्म, संस्कृति, साहित्य, कला के क्षेत्र में अनवरत रूप से कार्यरत श्री राम दरबार अखाड़ा समिति सोनभद्र नगर के कार्यालय में शुक्रवार देर शाम को आयोजित बैठक में इतिहासकारधविंध्य संस्कृति शोध समिति उत्तर प्रदेश ट्रस्ट के संस्थापक निदेशक दीपक कुमार केसरवानी, भाजपा के जिला उपाध्यक्ष ई0 रमेश सिंह पटेल, जिला मंत्री रजनीश,नगर पालिका परिषद सोनभद्र नगर के पूर्व सभासद नातिक अशरफ को अखाड़ा समिति के पदाधिकारी ने तिलक लगाकर अंगवस्त्रम ओढ़ाकर, मिष्ठान खिलाकर जन्मदिन की बधाई दिया। इस अवसर पर अखाड़ा समिति के पदाधिकारी राजेंद्र प्रसाद द्विवेदी, रविंद्र केसरी,धर्मवीर तिवारी, प्रमोद गुप्ता, अवधेश गुप्ता, आनंद मिश्रा, आशीष अग्रवाल, माला चौबे आदि पदाधिकारियो एवं सदस्यों ने जन्मदिन की बधाई एवं शुभकामनाए दिया।

3 शातिर चोर गिरफ्तार

कुशीनगर। जनपद के पडरौना कोतवाली पुलिस ने चोरी की घटना का पर्दाफाश कर चोरी की दो अदद मोटर पम्प, एक अदद बक्सा, आभूषण व 4 हजार रुपये नगद से साथ 03 शातिर चोरों को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया है।जानकारी के अनुसार कुशीनगर पुलिस द्वारा जनपद में अपराध एवं अपराधियो के विरुद्ध चलाये जा रहे अभियान के क्रम में 19.09.2024 को पड़रौना कोतवाली पुलिस टीम ने मु0अ0सं0 0647ध 2024 धारा 331(4), 305 बीएनएस व मु0अ0सं0 582ध2024 धारा 331(4), 305 बीएनएस में वांछित चल रहे 03 अभियुक्तों को गिरफ्तार कर उनके कब्जे से चोरी का सामान बरामद किया। पुलिसिया पूछताछ में अभियुक्तों ने बताया कि वे लोग दिन में रेकी कर रात्रि में सुनसान वाले घरो व स्टोर रूम, गोदाम आदि स्थानों पर सेंधमारी कर चोरी करते हैं। चोरी के सामान को बेच कर धन अर्जित करते है। गिरफ्तार अभियुक्तों में राजकुमार यादव पुत्र दिनेश यादव साकिन बिहार बुजुर्ग थाना तमकुहीराज जनपद कुशीनगर, श्रवण कुमार पुत्र रामजीत केवट साकिन पकड़ी बाभन थाना अहिरौली बाजार जनपद कुशीनगर, सुजीत शर्मा पुत्र शशिकान्त शर्मा साकिन सुखपुरा बंगाली पट्टी थाना कोतवाली पडरौना जनपद कुशीनगर शामिल है।

चोरी की मोटरसाइकिल के साथ शातिर चोर गिरफ्तार, जेल

कुशीनगर। जनपद के पटहेरवा पुलिस ने चोरी की एक अदद मोटरसाइकिल के साथ 01 अभियुक्त को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया है। जनपद में अपराध एवं अपराधियों के विरूद्ध चलाये जा रहे अभियान के क्रम में 19.09.2024 को पटहेरवा डोल मेला से मो0सा0 चोरी हुई थी। जिसके सम्बन्ध मे थाना स्थानीय पर मु0अ0सं0 302ध2024 धारा 303(2) बीएनएस का अभियोग पंजीकृत किया गया था। आज दिनांक 20.09.2024 थाना पटहेरवा पुलिस द्वारा मुकदमा उपरोक्त का सफल अनावरण करते हुए चोरी की मो0सा0 के साथ अभियुक्त फूलबदन यादव पुत्र स्व0 बैलिस्टर यादव निवासी लुहठहा थाना विशुनपुरा जनपद कुशीनगर को गिरफ्तार किया गया। बरामदगीधगिरफ्तारी के आधार उपरोक्त मुकदमे में धारा 317(2) बीएनएस की धारा की बढ़ोत्तरी कर गिरफ्तार अभियुक्त को जेल भेज दिया गया है।

सैकड़ों वर्ष पुराना है पंचमुखी महादेव मंदिर का इतिहास

मीरजापुर (आरएनएस)। नगर के महुवरियां स्थित सैकड़ों वर्ष पुराने अति प्राचीन मंदिर श्री श्री 1008 पंचमुखी मंदिर का रविवार को श्रृंगार पूजन के साथ विशाल भंडारा आयोजित किया गया। भंडारा दोपहर से प्रारंभ होकर देर रात तक जारी रहा है। भंडारे में नगर सहित आस–पास के ग्रामीण क्षेत्रों से भी हजारों की संख्या में भक्तों की कतार लगी हुई थी। बताते चलें कि नवरात्र के दुर्गा विसर्जन के पश्चात बड़े ही धूमधाम से श्री श्री 1008 पंचमुखी मंदिर का श्रृंगार पूजन एवं विशाल भंडारा आयोजित किया जाता है। यह परंपरा दशकों से अनवरत चलता आ रहा है। मंदिर समिति से जुड़े हुए लोग बताते हैं कि विशाल भंडारा दुर्गा पूजा पश्चात हर वर्ष की भांति इस वर्ष भी सम्पन्न कराया जा रहा है जहां आने वाले भक्तों को प्रेम पूर्वक भंडारा का प्रसाद ग्रहण कराया जाता है। भंडारा दोपहर से शुरू होकर देर रात तक चलता रहा है। इस मौके पर मंदिर समिति के अध्यक्ष सच्चिदानन्द राय, पुजारी अशोक कुमार पाण्डेय, प्रेम चन्द श्रीमाली, सेवक राजू गुप्ता, सतीश श्रीवास्तव, पीएन सिंह बल्लू यादव, दयाराम सोनकर, आकाश पटेल इत्यादि लोग व्यवस्था संचालन में लगे हुए थे।

साहब जमीन पर कब्जा करने की नियत से दबंग जोत रहे जमीन

सिराथू, कौशाम्बी। सिराथू तहसील क्षेत्र के एक गांव में कुछ दबंग जबरन काश्तकारों की जमीनों को जोत रहे है , महिलाओं के विरोध करने पर दबंग अभद्रता करते हुए जान से मारने की धमकी देते है , पीड़ितों ने मामले की शिकायत स्थानीय चौकी पुलिस से की लेकिन कार्यवाही नहीं हुई , ग्रामीणों ने एसडीएम सिराथू को शिकायती पत्र देकर दबंगों पर कार्यवाही की मांग की है।

सिराथू तहसील क्षेत्र के अफजलपुर सातों गांव के रहने वाले श्याम लाल , संतोष निषाद , पंकज निषाद , धुनकू , आलोक , विमलेश , श्याम कली , कमला , पुष्पा , चन्दना , प्रमोद , कमलेश , राहुल , ज्ञानमती , अनिता , जयकरन आदि लोगो ने सोमवार को एसडीएम सिराथू को शिकायती पत्र देकर बताया कि गांव के चार दबंग किस्म के लोग काश्तकारों की जमीन को जबरन जोत रहे है विरोध करने पर दबंग अभद्रता करते हुए जान से मारने की धमकी देते है। ग्रामीणों का आरोप है कि रविवार की दोपहर दबंग उनके खेतों को ट्रैक्टर से जोत रहे थे महिलाओं के विरोध करने पर दबंग बदसुलूकी करते हुए गाली गलौच करने लगे । मामले की शिकायत स्थानीय चौकी पुलिस से किया लेकिन कोई कार्यवाही नहीं हुई । आक्रोशित ग्रामीणों ने एसडीएम से दबंगों पर कार्यवाही की मांग की है।

न्याय पंचायत सिडसिड की वार्षिक खेल कूद प्रतियोगिता

मिल्कीपुर–अयोध्या(आरएनएस)। मिल्कीपुर शिक्षा क्षेत्र के न्याय पंचायत सिडसिड की वार्षिक खेल कूद प्रतियोगिता का आयोजन कम्पोजिट विद्यालय सिडसिड में किया गया। मुख्य अतिथि पूर्व ब्लॉक प्रमुख विनय रावत ने खेल प्रतियोगिता का शुभारंभ किया। खेल प्रतियोगिता के प्राथमिक स्तर कबड्डी में टिकरा तथा उच्च प्राथमिक स्तर पर चिरौली की टीम विजेता रही।प्राथमिक खो–खो में टिकरा तथा उच्च प्राथमिक स्तर खो–खो में सिडसिड की टीम विजेता रही।योगासन प्रतियोगिता में कंपोजिट विद्यालय टिकरा की टीम विजेता रही।न्याय पंचायत स्तरीय खेल में टिकरा की टीम ओवरऑल चौम्पियन रही तथा सिरसिड़ दूसरे स्थान पर एवं चिरौली तीसरे स्थान पर रही। इस अवसर पर प्रमुख रूप से प्राथमिक शिक्षक संघ के मिल्कीपुर अध्यक्ष मुकेश प्रताप सिंह,मंत्री भगवती प्रसाद, दयाशंकर ,बरसाती राही,अवध बिहारी,संदीप चौधरी,विजय शुक्ला आदि मौजूद रहे।

क्राप कटिंग का किया षुभारम्भ

प्रतापगढ़। अपर जिलाधिकारी (वि0/रा0) त्रिभुवन विश्वकर्मा ने खरीफ–2024 मौसम की मुख्य फसल धान की क्राप कटिंग का शुभारम्भ ग्राम भीलमपुर और शिवरा में किया। ग्रामसभा में किसान के खेत में 10 मीटर के समबाहु त्रिभुज में क्राप कटिंग करायी गयी जिसमें भीलमपुर के कृषक पारसनाथ की क्राप कटिंग में 25.510 किग्रा0 व शिवरा के कृषक राम नरेश की क्राप कटिंग में 19.200 किग्रा0 वजन प्राप्त हुआ। इस अवसर पर अपर जिलाधिकारी ने कहा कि क्राप कटिंग के प्रयोगो के आधार पर ही जिले में फसलों की औसत उपज और उत्पादन के आंकड़े तैयार किये जाते है जिससे जिले में हो रहे उत्पादन की सटीक जानकारी हासिल की जाती है। उत्पादकता एवं उत्पादन तथा क्षतिपूर्ति के आंकलन के लिए प्रधानमंत्री फसल बीमा योजनान्तर्गत सी0सी0ई0एग्री ऐप के द्वारा क्राप कटिंग सम्पन्न करायी गयी। इस दौरान अपर सांख्यिकीय अधिकारी कलेक्ट्रेट करूणेश यादव, लेखपाल सूरज सिंह, कानूनगो अशोक दूबे, प्रधान सुनील कुमार यादव, बीमाकर्मी अमित, योगेश, नीलेश सिंह व किसान बन्धु उपस्थित रहे।

मिषन षक्ति अभियान में किया गया जागरूक

प्रतापगढ़। जिला प्रोबेशन अधिकारी के निर्देशानुसार मिशन शक्ति फेज–5 के अंतर्गत संचालित आपरेशन मुक्ति के तहत बाल भिक्षावृत्ति एवं बाल श्रम उन्मूलन, मानव तस्करी एवं नशा मुक्ति अभियान चलाया गया अभियान में वन स्टाप सेंटर मैनेजर नीरजा कुमारी द्वारा देवकी विद्या मंदिर स्कूल ग्राम फतेहपुर रानीगंज में बाल श्रम न कराने के संबंध में चर्चा की गई एवं बताया गया कि 18 वर्ष से कम आयु के बच्चों (नाबालिग बच्चों) से बाल श्रम कराने पर कठोर कार्रवाई की जाती है। इस दौरान जन जागरूकता अभियान भी चलाया गया जिसमे आम जनमानस को बच्चों के अवैध परिवहन एवं मानव तस्करी को रोकने हेतु जागरूक किया गया तथा इमरजेंसी सहायता हेतु शासन एवं प्रशासन द्वारा जारी टोल फ्री हेल्पलाइन नंबर 102, 112, 1090, 1098, 181, 1076 नंबर के बारे में बताया गया एवं महिला कल्याण विभाग द्वारा संचालित मुख्यमंत्री कन्या सुमंगला योजना, मुख्यमंत्री बाल सेवा योजना, निराश्रित विधवा पेंशन योजना, वन स्टाप सेंटर में दी जाने वाली सुविधाओं के बारे में विस्तार से जानकारी दी गई। इस मौके पर केन्द्र प्रबंधक नीरजा कुमारी, सहित वन्दना यादव, रवीन्द्र, ज्ञान प्रकाश वर्मा एवं विद्यालय के शिक्षक रहे।

3 गुण्डों को किया जिला बदर

प्रतापगढ़। जनपद प्रतापगढ़ के जिन व्यक्तियों के आस–पास के क्षेत्रों में आतंक व भय व्याप्त है और उनके विरूद्ध कोई भी व्यक्ति कुछ बोलने अथवा साक्ष्य देने का साहस नहीं करता है ऐसे 03 व्यक्तियों को जिला मजिस्ट्रेट संजीव रंजन ने गुण्डा नियंत्रण अधिनियम की धारा–3(3) के तहत जनपद की सीमा से 06 माह के लिये निष्कासित कर दिया है। उन्होने थाना सांगीपुर ग्राम भैंसना के अन्चू सोनी उर्फ देवेश कुमार सुत कमलेश सोनी, थाना कन्धई ग्राम रामपुर कुर्मियान के अमन उर्फ आमान उर्फ अरमान सुत रफीक व शहजाद उर्फ सैयद सुत रफीक को जनपद की सीमा से 06 माह के लिये निष्कासित कर दिया है।

युवक घायल

चित्रकूट। बहिलपुरवा थाना क्षेत्र के बड़ी मडैयन के रोहित (24) पुत्र शिव कुमार के घायल होने जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया। जहां उपचार चल रहा है।

समाजवादी विचारधारा ही देश व समाज में ला सकती है समानता: अशोक श्रीवास्तव

अयोध्या(आरएनएस)। समाजवादी विचारधारा ही देश और समाज में आर्थिक सामाजिक एवं राजनैतिक समानता ला सकती है इस विचारधारा को मजबूत और विस्तार देने की आवश्यकता है। उक्त विचार समाजवादी जनता पार्टी (चन्द्रशेखर) के स्थापना दिवस अवसर पर आयोजित पत्रकारिता संस्थान में संगोष्ठी को संबोधित करते हुए पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष अशोक श्रीवास्तव ने व्यक्त किया। इस अवसर पर समाजवाद के जनक आचार्य नरेन्द्र देव को स्मरण करते हुए हैं उन्हें समाजवाद का पितामह बताया तथा उनके विचारों एवं आदर्शों को आत्मसात करते है कि अपील किया इसके साथ साथ पार्टी द्वारा 28 सितंबर से चलाए जा रहे जन जागरण अभियान के समापन पर इसकी सफलता के लिए पार्टी के साथियों के सहयोग के लिए सराहना किया और भविष्य में आगे भी जनजागरण अभियान जारी रखने का अनुरोध किया कार्यक्रम में समाजवादी जनता पार्टी चंद्रशेखर ने 13 और 20 नवंबर को होने वाले महाराष्ट्र झारखंड विधानसभा एवं उत्तर प्रदेश के नौ विधानसभा क्षेत्रों में हो रहे चुनाव में विपक्षी इंडिया गठबंधन को एक जुट रहने की अपील करते हुए उत्तर प्रदेश विधानसभा सभी 9 सीटों के उपचुनावों में इंडिया गठबंधन के सभी सपा उम्मीदवारों के समर्थन की घोषणा की है पार्टी के उत्तर प्रदेश ईकाई के अध्यक्ष ने कहा है कि देश और प्रदेश में सत्ताधारी सांप्रदायिक विभाजनकारी पूंजीवादी तानाशाही सरकारों को सबक सिखाने के लिए इन्डिया गठबंधन को लोक सभा चुनावों कि तरह वर्तमान चुनावों में एक जुटता बनाए रखने की आवश्यकता है जिससे ही समाज में आपसी एकता सद्भाव एवं जनता की बुनियादी आवश्यकता पूर्ति के लिए और भाजपा तथा आर एस एस की सांप्रदायिक और विभाजनकारी जन विरोधी नीतियों का राजनैतिक एवं वैचारिक का स्तर पर विरोध किया जा सके उन्होंने यह भी कहा कि उत्तर प्रदेश में 2027 विधानसभा चुनावों में भाजपा के योगी सरकार को हटाने के लिए इन्डिया गठबंधन को मजबूत करने और उपचुनावों में सभी नौ सीटों उत्पाद सपा उम्मीदवारों को जिताना आवश्यक है पार्टी ने कांग्रेस द्वारा प्रदेश में उपचुनाव नहीं लड़ने के फैसले का स्वागत करते हुए इसे सकारात्मक कदम बताया पार्टी ने चुनाव आयोग द्वारा उत्तर प्रदेश के उपचुनावों को टालने की निंदा करते हुए इसे सत्ता के दबाव में अनुचित कदम बताया। कार्यक्रम को पार्टी के राष्ट्रीय कार्य समिति के सदस्य मारुति कुमार सिंह एवं जिला अध्यक्ष शिव प्रकाश यादव श्रीमती विभाशुक्ला कुमारी ज्योति श्याम प्रकाश प्रजापति कामता प्रसाद श्रीवास्तव जहीर हसन अब्बास भाई इंदरपाल चतुर्वेदी मुकेश यादव ने भी संबोधित किया।

सूचना

सर्वसाधारण कों सूंचित किया जाता है कि वास्तव मे मेरी हाईस्कूल 2013 की मार्कशीट जिसका अनुक्रमाकं 2239237, प्रणामपत्र क्रमांकः 57006249, जन्म तिथि– 07.09.1998 व इण्टरमीडिएट 2015 की मार्कशीट जिसका अनुक्रमाकं : 1584407, प्रणामपत्र क्रमांकः 033608 रेगुलर पढ़ाई, जनपद केंद्र विधालय कोड 57/2093/1032/कालेज का नाम–गया प्रसाद केशरवानी मेमोरियल इण्टर कालेज शेरगढ़ मूरतगंज कौशाम्बी उत्तर प्रदेश है खो गयी है।

अभय
माता का नामः फूल पति
पिता का नामः सुद्धन लाल
पताः ग्राम इब्राहिम पुर नौगिरा पो0 मूरतगंज
तहसील चायल, जिला कौशाम्बी पिन 212201
मो0: 7080513879

उप्र एसोसिएशन ऑफ जर्नलिस्ट के प्रांतीय महामंत्री राधेश्याम लाल जी कर्ण को श्रद्धांजलि देने पहुंचे प्रदेश एवं राष्ट्रीय पदाधिकारी

उत्तर प्रदेश एसोसिएशन ऑफ जर्नलिस्ट (न्च।श्र) के प्रांतीय महामंत्री राधेश्याम लाल जी कर्ण को श्रद्धांजलि देने के लिए रायबरेली में आयोजित श्रद्धांजलि सभा में राष्ट्रीय महामंत्री (छन्श्र) ९) सुरेश शर्मा जी एवं न्च।श्र के प्रदेश अध्यक्ष सर्वेश सिंह जी,राष्ट्रीय कार्यकारिणी सदस्य राजीव शुक्ल जी,प्रदेश कोषाध्यक्ष बाल मुकुंद तिवारी जी एवं कौशाम्बी जिलाध्यक्ष सुनील पांडेय,महामंत्री अशोक केसरवानी,मुजफ्फरनगर से प्रदेश उपाध्यक्ष फल कुमार पंवार,जिलाध्यक्ष डॉक्टर एम ए तोमर,वाराणसी से अजीत नारायण सिंह,प्रयागराज से राजीव रंजन मिश्रा,लखनऊ से हेमंत जी,बाराबंकी से दिलीप श्रीवास्तव,गाजियाबाद से महिला विंग की प्रदेश

डीएम अपनी उपस्थिति में भूमि का सीमांकन कराएं, तहसील का कोई कर्मचारी नहीं रहेगा मौजूद

प्रयागराज। हाईकोर्ट ने प्रयागराज के जिलाधिकारी को निर्देश दिया है कि वह अपनी उपस्थिति में चक रोड के निर्धारण के लिए भूमि का सीमांकन कराएं। डीएम किसी अन्य अधीनस्थ प्राधिकारी से यह कार्य नहीं कराएंगे। साथ ही हंडिया तहसील का कोई भी कर्मचारी सीमांकन प्रक्रिया में शामिल नहीं होगा। यह आदेश न्यायमूर्ति मनीष कुमार निगम की अदालत ने रामकृपाल की याचिका पर दिया। तहसील हंडिया, ग्राम बड़गांव परगना मह निवासी रामकृपाल ने हाईकोर्ट में याचिका दाखिल कर भूमिधरी गाटा संख्या–101 पर बनाए गए चक रोड को हटाने के लिए गुहार लगाई थी। याची के वकील ने दलील दी कि भूमिधरी गाटा संख्या–101 पर

ग्रामसभा ने चक रोड बनाकर अतिक्रमण किया है। इस पर ग्रामसभा ने 18 जुलाई, 2024 को रिपोर्ट प्रस्तुत कर कहा कि पूर्व ग्राम प्रधान ने चक रोड का निर्माण करते समय याची की भूमि पर अतिक्रमण कर लिया है, जबकि गाटा संख्या–102 की भूमि चक रोड चिह्नित है। वहीं, नायब तहसीलदार, सैदाबाद, तहसील हंडिया ने शपथ पत्र दाखिल किया। जिसमें कहा कि याची की भूमि अराजी नंबर–101 पर कोई अतिक्रमण नहीं है। चक रोड गाटा संख्या–102 पर बनाया गया है। न्यायालय ने जवाब में विरोधाभास पाते हुए जिलाधिकारी को निर्देश दिया है कि वह अपनी उपस्थिति में छह सप्ताह के भीतर चक रोड के निर्धारण के लिए भूमि का सीमांकन कराएं। पता लगाएं कि चक रोड गाटा संख्या 101 पर है या 102 पर। मामले की अगली सुनवाई छह दिसंबर को होगी। इलाहाबाद हाईकोर्ट ने डीएम जौनपुर को अवमानना नोटिस जारी करते हुए जवाब मांगा है। कोर्ट ने कहा कि आदेश का पालन न किए जाने पर क्यों न अवमानना कार्यवाही शुरू की जाए? छह जनवरी 2025 को सुनवाई की तिथि नियत की गई है। न्यायमूर्ति सलिल कुमार राय की अदालत ने प्रकाश चंद्र बिंद व अन्य की ओर से दाखिल किए गए अवमानना आवेदन पर यह आदेश दिया है। जौनपुर निवासी प्रकाश चंद्र बिंद व अन्य ने एससी प्रमाणपत्र जारी करने की मांग करते हुए हाईकोर्ट में याचिका दाखिल की थी। उनकी दलील थी कि वह केवट व मल्लाह हैं, जो मझवार जाति की उपजाति हैं। ऐसे में उन्हें एससी प्रमाण पत्र जारी किया जाना चाहिए। कोर्ट ने याचिका निस्तारित करते हुए डीएम को इस संबंध में तीन माह में उचित फैसला लेने का आदेश दिया था। आदेश का अनुपालन नहीं किए जाने पर याची ने हाईकोर्ट में अवमानना आवेदन दाखिल किया। याची के वकील पुनीत कुमार शुक्ला ने दलील दी कि भारत के राजपत्र में मझवार जाति को अनुसूचित जाति के रूप में शामिल किया गया है। उच्च न्यायालय की ओर से जारी किए गए दिशा निर्देश व उत्तर प्रदेश सरकार के शासनादेश का भी हवाला देते हुए याची को अनुसूचित जाति का प्रमाण पत्र जारी करने की प्रार्थना की। न्यायालय ने अवमानना आवेदन पर डीएम जौनपुर को नोटिस जारी करते हुए जवाब मांगा है।

शपथ के उपरांत हस्ताक्षर बोर्ड पर हस्ताक्षर करते नगर आयुक्त चंद्र मोहन गर्ग।

गुरुवार को नगर निगम प्रशासनक ओर से सिंगल यूज प्लास्टिक के तहत संगम क्षेत्र में जन जागरूकता अभियान फैलाया गया। निगम प्रशासन ने नागरिकों को स्वच्छता की शपथ दलाई। स्वच्छता की शपथ लेते। मंडल आयुक्त विजय विश्वास पंत, नगर आयुक्त चद्र मोहन गर्ग।

सिंगल यूज प्लास्टिक का त्याग करे

प्रयागराज। नगर निगम का उद्देश्य है कि गंगा नदी की पवित्रता को बनाए रखते हुए शहर को एक स्वच्छ और सुरक्षित पर्यावरण प्रदान किया जाए। छठ पूजा के अवसर पर किए जा रहे इस जागरूकता अभियान में प्रशासन की श्रद्धालुओं और स्थानीय जनता से अपील है कि वे इस मुहिम में बढ़–चढ़ कर हिस्सा लें और गंगा में किसी भी प्रकार का कचरा न डालें। इस अभियान की सफलता से न केवल गंगा की स्वच्छता को बढ़ावा मिलेगा, बल्कि लोगों में नदी की पवित्रता को बनाए रखने के प्रति जागरूकता भी बढ़ेगी। हम सब का उद्देश्य प्रयागराज को सुन्दर और स्वच्छ बनाना है।स्वच्छता की शपथ––– ष्मैं, संगम शहर को स्वच्छ और पॉलीथीन मुक्त बनाने की शपथ लेता हूं। मैं पॉलीथीन का उपयोग नहीं करूँगा और इसके खिलाफ जागरुकता फैलाऊँगा। मैं नगर निगम प्रयागराज की इस मुहीम में सहयोग कर, शहर को स्वच्छ बनाए रखने में योगदान दूँगा।श

अखाड़ा परिषद की बैठक में संतों के बीच मारपीट, अखाड़े के दोनों गुट आए आमने-सामने

प्रयागराज। दो धड़ों में बंटे अखिल भारतीय अखाड़ा परिषद के संतों के बीच बृहस्पतिवार को मारपीट हो गई। इससे काफी देर तक अफरातफरी मची रही। दारागंज में पंचायती अखाड़ा श्री निरंजनी में अखाड़ा परिषद के अध्यक्ष रविंद्रपुरी की अध्यक्षता में बैठक का आयोजन किया गया। इसी तरह दारागंज में ही श्री पंचायती अखाड़ा निर्मोही में महंत राजेंद्र दास की अध्यक्षता में बैठक का आयोजन किया गया। बैठक के दौरान दोनों धड़ों के संतों में पहले कहासुनी हुई। इसके बाद मारपीट हो गई। इससे काफी देर तक अफरातफरी का माहौल रहा। अखाड़ा परिषद के दोनों धड़ों के संत भूमि आवंटन की मांग को लेकर बृहस्पतिवार को प्रयागराज मेला प्राधिकरण कार्यालय पहुंचे थे। बताया जाता है कि इस दौरान निर्मोही अखाड़े के महंत राजेंद्र दास से कुछ संतों से कहासुनी हो गई, जो देखते ही देखते मारपीट में बदल गई। इससे मेला कार्यालय पर अफरातफरी मच गई। मौके पर जूना अखाड़े के संरक्षक और अखाड़ा परिषद के महामंत्री हरि गिरि ने बीच बचाव कर मामला शांत कराया। अखाड़ा परिषद अध्यक्ष पद को लेकर संतों के दो धड़ों में काफी दिनों से विवाद चल रहा है। अखाड़ों और साधुओं को अपने पक्ष में करने के लिए रस्साकसी चल रही है। दूसरा धड़ा अखाड़ा परिषद के अध्यक्ष रवींद्र गिरि को अध्यक्ष मानने के लिए तैयार नहीं है। दूसरे धड़े ने बुधवार को शाही स्नान और पेशवाई आदि मुगलकालीन शब्दों को बदलकर कुंभ छावनी प्रवेश और कुंभ अमृत स्नान नाम करण कर दिया है।

मॉर्निंग वॉक पर निकले पूर्व प्रधान की मौत, सड़क किनारे मिली लाश, प्रधान पर हत्या का आरोप

प्रयागराज। घूपुर थाना क्षेत्र के गौहनिया पिंक बूथ के पास हुए सड़क हादसे में पूर्व प्रधान राजेश पटेल उर्फ खन्ना की मौत हो गई। उनकी लाश सड़क के किनारे पड़ी मिली। घटना की जानकारी मिलते ही ग्रामीणों की भीड़ जुट गई। पुलिस ने मौके पर पहुंचकर छानबीन की। आक्रोशित ग्रामीणों ने पुलिस को शव को कब्जे में लेने से रोक दिया। वर्तमान प्रधान पर हत्या का आरोप लगाया जा रहा है। मनकवार गांव के पूर्व प्रधान राजेश पटेल बृहस्पतिवार को सुबह मार्निंग वॉक पर निकले थे। रहस्यमय परिस्थितियों में गौहनिया पिंक बूथ के पास सड़क हादसे में उनकी मौत हो गई। घटना की जानकारी होते ही परिजनों के साथ बड़ी संख्या में ग्रामीण पहुंच गए। पुलिस से ग्रामीणों की तीखी नोकझोंक हुई और शव को कब्जे में लेने से रोक दिया गया। बाद में पुलिस ने किसी तरह से समझा बुझाकर शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजा।

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप को महाकुंभ में आमंत्रित करेगा जूना अखाड़ा, जीत की दी बधाई

प्रयागराज। अमेरिकी चुनाव में जीत पर श्री पंच दशनाम जूना अखाड़े के संरक्षक महंत हरि गिरि ने नव निर्वाचित राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप को बधाई दी है। उन्होंने बताया कि ट्रंप की जीत से विश्व में भारत–अमेरिका के रिश्तों को नया आयाम मिलेगा। महंत हरि गिरि ने बताया कि महाकुंभ में ट्रंप को जूना अखाड़े की ओर से आमंत्रित किया जाएगा। उप्र किन्नर वेलफेयर बोर्ड की सदस्य और किन्नर अखाड़ा की प्रदेश अध्यक्ष महामंडलेश्वर स्वामी कौशल्यानंद गिरि टीना मां ने शिष्यों के साथ छठ व्रत रखा है। बुधवार को उन्होंने भगवान सूर्य का पूजन कर खरना किया। बृहस्पतिवार की शाम को किन्नर शिष्यों के साथ डूबते सूर्य को संगम पर शाम चार बजे अर्घ्य देंगी। महामंडलेश्वर स्वामी कौशल्यानंद गिरि ने बताया कि इस व्रत के माध्यम से भगवान सूर्य और छठी मइया से विश्व के कल्याण की कामना की जाती है। इस दौरान महंत संजनानंद गिरि, संध्या, माही नंद गिरि, राधिका, दीवानी, सनाया, रेखा, मोहिनी, अनुष्का, पलक, विशाखा, पप्पी, नगमा उपस्थित थीं। पूर्वांचल छठ पूजा समिति की ओर से संगम तट पर सूर्य आराधना के दूसरे दिन खरना में सस्वर रामायण पाठ से वातावरण भक्तिमय हो गया। इस अवसर पर अखंड रामायण का यशराज मंडल ने पाठ शुरू किया। अखंड पाठ से पहले सूर्य देव के आदित्य ह्रदय का पाठ कर भव्य आरती की गई।समिति अध्यक्ष अजय राय और संरक्षक सुदामा सिंह की अगुआई में अखंड रामायण शुरू हुआ। इसमे सैकड़ों की संख्या में लोगों ने रामायण का गान किया। पाठ बृहस्पतिवार को पूरा होगा। प्रसाद वितरण के बाद दोपहर दो बजे से भोजपुरी भजन संध्या आरंभ होगी । महाकुंभ को लेकर विश्व हिंदू परिषद ने अपनी तैयारियां शुरू कर दी हैं। विहिप के शिविर में इस बार वेद एवं संत सम्मेलन होंगे। बुधवार को विहिप प्रांत कार्यालय केसर भवन में कार्यक्रमों की रूपरेखा निर्धारित हुई। विहिप के केंद्रीय महामंत्री (संगठन) मिलिंद परांडे की अध्यक्षता में हुई बैठक में 15 जनवरी 23 फरवरी की अवधि में सभी महत्वपूर्ण कार्यक्रम आयोजित किए जाने पर सहमति बनी। प्रांत संगठन मंत्री (पूर्वी उत्तर प्रदेश) गजेंद्र ने बैठक में बताया कि विहिप के शिविर में केंद्रीय बैठक, मार्गदर्शक मंडल की बैठक, संत सम्मेलन, वेद सम्मेलन, महिला सम्मेलन, गोरक्षा सम्मेलन एवं समरसता सम्मेलन का आयोजन होगा। प्रमुख स्नान पर्व के अवसर पर संगठन समाज के लिए भंडारे का आयोजन करेगा और शिविर चलाएगा। इन सबकी व्यवस्था के लिए कार्यकर्ताओं को जिम्मेदारियां सौंपी जा रही हैं। बैठक में प्रमुख रूप से केंद्रीय सह–महामंत्री (संगठन) विनायक राव देशपांडे, केंद्रीय संयुक्त महामंत्री कोटेश्वर , क्षेत्र सत्संग प्रमुख दिवाकर जी, प्रांत अध्यक्ष कविंद्र प्रताप सिंह, राजनारायण सिंह, विनोद अग्रवाल, कमला मिश्रा, पूनम पांडे, प्रभुति कांत, रविंद्र मोहन गोयल आदि मौजूद रहे।

ट्रेनों में कम नहीं हो रही भीड़, लंबी दूरी की ट्रेनों में ज्यादा मारामारी

प्रयागराज। दिवाली, गोवर्धन और भैया दूज मनाने के बाद ट्रेनों में यात्रियों की भीड़ कम नहीं हो रही है। अगले एक सप्ताह तक प्रयागराज से विभिन्न स्थानों के लिए जाने वाली सभी महत्वपूर्ण ट्रेनों में लंबी प्रतीक्षा सूची है। यह हाल तब है कि जब रेलवे इस बार रिकॉर्ड संख्या में स्पेशल ट्रेनें चला रहा है। रामबाग के प्रत्युष गुप्ता का कहना है कि व्यवसाय की दृष्टि से उन्हें हर माह दिल्ली जाना होता है। दस नवंबर से पहले वहां पहुंचना है लेकिन किसी भी ट्रेन में कंफर्म सीट नहीं है। इसी तरह प्राइवेट कंपनी में कार्यरत लाउदर रोड के अमित श्रीवास्तव की मुंबई में 11 नवंबर को बैठक है। उनका कहना है कि मुंबई की किसी भी ट्रेन में कंफर्म बर्थ नहीं है। समझ में नहीं आ रहा कि कैसे जाएं। वहीं, बुधवार को भी प्रयागराज, प्रयागराज–बीकानेर एक्सप्रेस में यात्रियों को जनरल कोच में चढ़ाने के लिए प्लेटफॉर्म पर फिर रस्सी बांधी गई। इसके बाद यात्रियों को कतार में खड़ा कर सबको एक–एक करके चढ़ाया गया। नैनी के बृजेश पाठक ने बताया कि दो माह पहले हमसफर के एसी थ्री में प्रतीक्षा सूची का टिकट लिया, लेकिन अब तक टिकट कंफर्म नहीं हुआ। अब यूपी रोडवेज की बस से दिल्ली जा रहे हैं। इस बीच प्रयागराज, हमसफर, ब्रह्मपुत्र, पुरुषोत्तम, शिवगंगा और महाबोधि एक्सप्रेस में भी लंबी प्रतीक्षा सूची रही। एनसीआर के सीपीआरओ शशिकांत त्रिपाठी ने बताया कि इस बार काफी स्पेशल ट्रेनें चलाई गई हैं। भारतीय रेलवे में एक अक्तूबर से पांच नवंबर के दौरान स्पेशल ट्रेनों के जरिए बिहार, पूर्वी उत्तर प्रदेश और झारखंड में लगभग 7.5 करोड़ यात्रियों को उनके गंतव्य तक पहुंचाया गया। एनसीआर से भी काफी संख्या में यात्रियों ने सफर किया। छठ पर्व के बाद वापसी करने वाले लोगों की सहूलियत के लिए रेलवे ने मुंबई और नई दिल्ली के लिए स्पेशल ट्रेन चलाए जाने का एलान किया है। दानापुर से लोकमान्य तिलक के लिए स्पेशल ट्रेन वाया प्रयागराज छिवकी एवं पटना से नई दिल्ली के लिए स्पेशल वाया प्रयागराज जंक्शन संचालित होगी। इसकी समय सारिणी उत्तर मध्य रेलवे प्रशासन ने जारी कर दी है।

सम्पादक
सिद्धनाथ द्विवेदी
प्रबन्धक निदेशक
दीपक जयसवाल
सम्पादकीय कार्यालय
11ई/2, ताशकंद मार्ग, सिविल लाइन्स, इलाहाबाद

इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं सम्पादन हेतु पीआरबी एक्ट के अन्तर्गत उत्तरदायी तथा इससे उत्पन्न समस्त विवाद इलाहाबाद न्यायालय के आधीन होगा।

अभ्यर्थियों की सुविधा के लिए बड़े जिलों में होगी पीसीएस परीक्षा, 41 जनपदों में बनाए गए केंद्र

प्रयागराज। पीसीएस प्रारंभिक परीक्षा–2024 सात एवं आठ दिसंबर को प्रदेश के 41 जिलों में होगी। उत्तर प्रदेश लोक सेवा आयोग (यूपीपीएससी) ने बड़े और सुविधाओं के लिहाज से अग्रणी जिलों में ही केंद्र बनाने का निर्णय लिया है। आयोग ने पहले एक ही दिन में परीक्षा कराने के लिए केंद्र निर्धारण पर काम शुरू किया था, हालांकि शासन की ओर से केंद्र निर्धारण की नीति को सख्त करने और निजी स्कूल–कॉलेजों को केंद्र बनाने पर रोक लगाने से आयोग को एक दिन की परीक्षा के लिए पर्याप्त संख्या में केंद्र नहीं मिल सके। आयोग को 5,76,154 अभ्यर्थियों की प्रारंभिक परीक्षा कराने के लिए 1,758 केंद्रों की आवश्यकता थी और इसके लिए प्रदेश के सभी 75 जिलों के जिलाधिकारियों को पत्र लिखकर उन केंद्रों की सूची मांगी गई थी, जो 19 जून 2024 को जारी शासनादेश के अनुसार परीक्षा केंद्र के मानक को पूरा कर रहे थे। इस आधार पर आयोग को सभी जिलों में केवल 978 केंद्र ही मिल सके। ऐसे में आयोग को परीक्षा दो दिन कराने का निर्णय लेना पड़ा। आयोग के सूत्रों का कहना है कि दो दिन परीक्षा कराने से अभ्यर्थी अब आधी–आधी संख्या में बंट जाएंगे। यानी आयोग को एक दिन में 2,88,077 अभ्यर्थियों की परीक्षा ही करानी होगी। ऐसे में उन जिलों को केंद्र बनाने में तरजीह दी गई है, जो आवागमन के लिहाज से अभ्यर्थियों के लिए सुविधाजनक हों और उन जिलों में सरकारी स्कूल–कॉलेज अधिक संख्या में हों। इस हिसाब से आयोग ने परीक्षा कराने के लिए 41 जिलों का चयन किया है। प्रश्नपत्रों की सुरक्षा के लिहाज से 41 जिलों में परीक्षा का आयोजन आयोग और प्रशासनिक मशीनरी के लिए भी सुविधाजनक होगा। इस जिलों में प्रश्नपत्रों की सुरक्षा अब ज्यादा मुस्तैदी से की जा सकेगी। अगर सभी 75 जिलों में परीक्षा होती तो प्रश्नपत्रों की सुरक्षा के दायरे को बढ़ाना पड़ता। हालांकि, आयोग और प्रशासनिक तंत्र के अफसरों को अब परीक्षा कराने के लिए दो दिनों के हिसाब से व्यवस्था सुनिश्चित करनी होगी।

उत्तर मध्य रेलवे

टेण्डर संख्या-230-वि./क.वि./प्रयागराज/ई टेण्डर/2024/539 दिनांकः 05.11.2024

निविदा सूचना

वरिष्ठ मण्डल विद्युत अभियन्ता/क.वि./उ.म.रे./प्रयागराज, द्वारा भारत के राष्ट्रपति के लिये एवं उनकी ओर से निम्न कार्य हेतु ई निविदा आमंत्रित की जाती हैं। जिनका विवरण निम्न प्रकार है।

निविदा सं.: 230-क.वि.-कार्य ठेका-930-2024	अनुमानित लागत : ₹ 51,72,735.85
कार्य का विवरण : एन. सी. रेलवे के प्रयागराज मंडल में कुंभ मेले के दौरान विभिन्न पोस्टों पर ओएचई से संबंधित चौबीसों घंटे मैनिंग एवं सामान्य रखरखाव का कार्य।	
बिड सुरक्षा राशि : ₹ 1,03,500.00 | कार्य अवधि : 75 दिन	बोली प्रणाली : एक पैकेट
निविदा बन्द होने की तिथि तथा समय : 26.11.2024, 14:00 बजे	
निविदा खुलने की तिथि तथा समय : 26.11.2024, 15:00 बजे	

नोटः- (1) उपरोक्त ई-निविदा का पूर्ण विवरण (निविदा प्रपत्र सहित) वेबसाइट www.ireps.gov.in पर निविदा खोलने की तिथि से 21 दिन पहले से उपलब्ध होगा। (2) उपरोक्त निविदा में ई. बिड के अलावा किसी अन्य रूप में बिड स्वीकार नहीं की जायेगी। इस प्रयोजन हेतु वेन्डरों को चाहिए कि वे अपने आपको डिजिटल हस्ताक्षर प्रमाणपत्र के साथ IREPS की वेबसाइट पर पंजीकृत करायें। (3) किसी भी प्रकार की तकनीकी समस्या के समाधान के लिए IREPS की वेबसाइट की हेल्प लाइन से सम्पर्क किया जा सकता है। 1925/24 (MG)

North central railways @ CPRONCR www.ncr.indianrailways.gov.in

उत्तर मध्य रेलवे

ई-प्रापण निविदा सूचना संख्याः 24/74 दिनांकः 05.11.2024

ई-प्रापण निविदा सूचना

भारत के राष्ट्रपति की ओर से **प्रधान मुख्य सामग्री प्रबंधक, उत्तर मध्य रेलवे, प्रयागराज (आई.एस. ओ. 9001:2015 प्रमाणित इकाई)** निम्नलिखित मदों के लिए ई-प्रापण निविदायें आमंत्रित करते हैं।

क्र. सं.	निविदा संख्या	संक्षिप्त विवरण	मात्रा	निविदा खुलने की तिथि
1	80244000A	सर्वोप्लेक्स एस एच सी-120 (आई ओ सी एल) ग्रीस।	18957 किलो	25.11.2024
2	6324RC13	दिस ईज टेन्डर टू इन्टर इन्टू रेट कॉन्ट्रेक्ट फोर मैनुफैक्चरिंग एण्ड सप्लाई ऑफ प्रेस्ट्रेस्ड मोनोब्लॉक कंक्रीट स्लीपर्स ऑफ डिफरेंट डीआरजी नं0 टी-5691, टी-4218 टी-4149, टी-6068, टी-8969, टी-8970, एण्ड टी-8971 टु 78	31073 सेट/नग	23.12.2024

नोटः उपरोक्त सभी ई-प्रापण निविदाओं का पूरा विवरण IREPS वेबसाईट https://www.ireps.gov.in पर उपलब्ध है। निविदाओं में किसी भी बदलाव/शुद्धि-पत्र के लिए कृपया इस वेबसाईट को नियमित रूप से देखें। समाचार-पत्र मे कोई अलग से शुद्धि-पत्र/परिवर्तन प्रकाशित नही किया जाएगा। 1924/24(A)

North central railways @CPRONCR www.ncr.indianrailways.gov.in

उत्तर मध्य रेलवे

ई-प्रापण निविदा सूचना संख्या 211-एस/टी.एस./टेन्डर नोटिस/Trial03/2024-25 दिनांक 06.11.2024

ई-प्रापण निविदा सूचना

भारत के राष्ट्रपति की ओर से **प्रमुख मुख्य इंजीनियर, उत्तर मध्य रेलवे, प्रयागराज** निम्नलिखित मदों के लिए ई-प्रापण निविदायें आमंत्रित करते हैं:

Manufacturing, Supplying and Field Trail of Equipment/System for measurement/determination of Stress Free Temperature of LWR/CWR Non Destructively based upon the Barkhausen Noise principle without need of traffic block. (Tender No. Trail0320242025 due on **06.12.2024**)

कुल मात्रा : 01 सेट	अनुमानित लागत : ₹ 91,09,600/-	कार्य अवधिः 14 माह

नोटः (1) उपरोक्त सभी ई-प्रापण निविदाओं का पूरा विवरण IREPS की वेबसाईट http://www.ireps.gov.in पर उपलब्ध है। (2) उपरोक्त निविदाओं हेतु ई-बिड के अतिरिक्त अन्य किसी भी प्रारूप में बिड स्वीकार नहीं की जायेगी। वेन्डरों को चाहिए कि वे अपने आपको I.T. Act-2000 के अन्तर्गत CCA द्वारा जारी Class-III, Digital हस्ताक्षर प्रमाणपत्र के साथ IREPS की वेब साइट पर पंजीकृत करायें। (3) निविदा की दरें केवल डिजिटल हस्ताक्षरित फाइनेंसियल रेट पेज पर ही विचारणीय हैं। दरें तथा अन्य वित्तीय प्रभार अन्य किसी भी फार्म/लेटर हेड पर यदि संलग्न हैं तो उस पर विचार नहीं किया जायेगा तथा सीधे तौर पर अमान्य कर दिया जायेगा। (4) संलग्न किए जा रहे दस्तावेजों को निविदाकार द्वारा हस्ताक्षरित किया जाना चाहिए। (5) यह निविदा सूचना www.ncr.indianrailways.gov.in पर भी अपलोड की गई है। (6) स्टोर आइटम आ.डी.एस.ओ. अनुमोदित/विकासात्मक फर्मों के लिये आरक्षित है। 1941/24 (MG)

North central railways @ CPRONCR www.ncr.indianrailways.gov.in

स्वामी, मुद्रक एवं प्रकाशक सिद्धनाथ द्विवेदी द्वारा काम्पीटेंट बिजनेस सर्विसेज विष्णु पदम कुटीर 115डी/2ई लूकरगंज, इलाहाबाद से मुद्रित एवं 399 कृष्णानगर कीडगंज से प्रकाशित।
सम्पादक–सिद्धनाथ द्विवेदी, आरएनआई नं. UPHIN/2007/22706 रजि.नं. AD-32/2008-09 ईमेलः amritkt.alld@gmail.com फोन नं. : 9453273951, 8799627062